मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 232
मंगलवार, 10 मार्च 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

विपक्ष को 'बहस नहीं, सिर्फ अराजकता फैलाने में रुचिः जेपी नड्डा

नई दिल्ली, 09 मार्च। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने सोमवार को पश्चिम एशिया संघर्ष पर विदेश मंत्री एस जयशंकर के संबोधन के दौरान विपक्ष द्वारा की गई नारेबाजी की निंदा करते हुए कहा कि विपक्ष को बहस करने में नहीं बल्कि केवल ₹अराजकता फैलाने₹ में दिलचस्पी है। विपक्ष पर ₹अपने फायदे के लिए राजनीति करने₹ का आरोप लगाते हुए नड्डा ने कहा कि वे इसमें कभी सफल नहीं होंगे। राज्यसभा में नड्डा ने कहा कि अत्यंत दुख के साथ मैं कह रहा हूं कि विपक्ष का व्यवहार बेहद गैरजिम्मेदाराना और निंदनीय है। उन्हें न तो देश में कोई रुचि है और न ही बहस में, बल्कि उन्हें केवल अराजकता फैलाने में रुचि है।

नड्डा ने आगे कहा कि उन्हें विकसित भारत, देश की प्रगति में कोई रुचि नहीं है, उनकी रुचि केवल अपने फायदे की राजनीति में है, जिसमें वे कभी सफल नहीं होंगे। जयशंकर ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री उभरते घटनाक्रमों पर लगातार नजर रख रहे हैं और संबंधित मंत्रालय प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए समन्वय कर रहे हैं। यह घटनाक्रम 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हमलों के बाद शुरू हुए युद्ध के मद्देनजर सामने आया है, जिसमें ईरान को निशाना बनाया गया था। इन हमलों में पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और सत्तारूढ़ दल के कई प्रमुख सदस्यों की मौत हो गई थी। इसके बाद से स्थिति और बिगड़ गई है, सप्ताहांत में तेल भंडारों और जल विलवणीकरण संयंत्रों पर नए हमले

हुए हैं।

जयशंकर ने कहा कि सरकार ने क्षेत्रीय अस्थिरता को लेकर पहले ही अपनी आशंकाएं व्यक्त कर दी थीं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने 20 फरवरी को एक बयान जारी कर गहरी चिंता व्यक्त की थी और सभी पक्षों से संयम बरतने का आग्रह किया था। हमारा मानना ??है कि तनाव कम करने के लिए संवाद और कूटनीति का सहारा लेना चाहिए। संघर्ष की गंभीरता पर प्रकाश डालते हुए मंत्री ने पुष्टि की कि भारत ने 28 फरवरी, 2026 को आधिकारिक तौर पर युद्ध पर चिंता व्यक्त की थी। उन्होंने क्षेत्रों में तनाव कम करने के लिए संवाद और कूटनीति के आह्वान को दोहराया, साथ ही बढ़ते हताहतों और ईरानी नेतृत्व के पतन की ओर ध्यान आकर्षित किया।

मिट्टी धंसने से 7 मजदूरों की दर्दनाक मौत

नई दिल्ली। दिल्ली-जयपुर राजमार्ग पर एक बड़ा हादसा सामने आया है। यह घटना राजस्थान के भिवाड़ी के पास हरियाणा की सीमा वाले इलाके में हुई, जहां निर्माण कार्य के दौरान मिट्टी धंसने से कई मजदूर दब गए। इस दर्दनाक हादसे में अब तक 7 मजदूरों की मौत हो चुकी है।

मिली जानकारी के अनुसार यह हादसा सिग्नेचर ग्लोबल सोसाइटी के निर्माण स्थल पर हुआ। निमार्णाधीन सोसाइटी में जमीन की खुदाई का काम चल रहा था। इसी दौरान अचानक मिट्टी का बड़ा हिस्सा धंस गया, जिससे वहां काम कर रहे कई श्रमिक उसके नीचे दब गए।

हादसे के तुरंत बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और प्रशासन को सूचना दी। इसके बाद राहत और बचाव टीमों को मौके पर बुलाया गया और मलबे में दबे मजदूरों को निकालने का काम शुरू किया गया।

राहुल गांधी ने पश्चिम एशियाई संकट पर सरकार को घेरा

नई दिल्ली, 09 मार्च। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि सरकार संसद में पश्चिम एशियाई संकट पर चर्चा करने को तैयार नहीं है, क्योंकि इससे यह उजागर हो जाएगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका और इजराइल के दबाव में कैसे झुक गए हैं। कांग्रेस सांसद ने कहा कि पश्चिम एशिया की स्थिति जनता पर भी नकारात्मक प्रभाव डालती है, क्योंकि वहां के संघर्ष से तेल की कीमतों में वृद्धि हो सकती है। रायबरेली सांसद ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट से कितना नुकसान होगा? एक बड़े बदलाव की दिशा में संघर्ष चल रहा है। इससे हमारी अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान होगा। आपने शेयर बाजार देखा। प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका के साथ समझौता किया है। देश को बड़ा झटका लगने वाला है। तो फिर इस पर चर्चा करने में उन्हें क्या समस्या है? हम इसके बाद अन्य मुद्दों पर चर्चा कर सकते हैं। क्या पश्चिम एशिया महत्वपूर्ण नहीं है?

क्या ईंधन की कीमतें और आर्थिक तबाही चर्चा के महत्वपूर्ण विषय नहीं हैं? ये जनता के मुद्दे हैं।

गांधी ने कहा कि अगर पश्चिम एशिया संकट पर दोनों सदनों में चर्चा हुई तो प्रधानमंत्री संसद का सामना नहीं कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि हम इसे महत्वपूर्ण मानते हैं और इस पर चर्चा चाहते हैं... लेकिन वे चर्चा नहीं करना चाहते क्योंकि इससे अन्य बातें सामने आएंगी, प्रधानमंत्री की छवि खराब होगी। उनका पदार्फाश हो जाएगा। यह बात सामने आ जाएगी कि वे कैसे समझौता कर रहे हैं और कैसे उन्हें ब्लैकमेल किया जा रहा है। इसलिए वे चर्चा नहीं करना चाहते। आपने देखा कि प्रधानमंत्री संसद से कैसे भाग गए। मैं आपको बता रहा हूं, वे नहीं आ पाएंगे।

पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्ष के जोरदार विरोध के बीच सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। निचला सदन 10 मार्च को सुबह 11:00 बजे फिर से बैठेगा। बजट सत्र के दूसरे चरण की शुरूआत सोमवार को तीव्र टकराव के साथ हुई, क्योंकि भाजपा सांसदों ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष पर पश्चिम एशिया संघर्ष पर विरोध प्रदर्शन करके कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगाया। इससे पहले, इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने संसद के मकर द्वार पर पश्चिम एशिया विवाद को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

बांग्लादेश में पूजा दौरान मंदिर में बम विस्फोट; पुजारी समेत कई घायल, 2 हिंदू युवकों की भी हत्या

बांग्लादेश, 09 मार्च। बांग्लादेश में पिछले सप्ताह अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर हमलों की कई घटनाएँ सामने आई हैं। अधिकार समूह Bangladesh Jatio Hindu Mohajote के अनुसार अलग-अलग घटनाओं में दो हिंदू युवकों की हत्या कर दी गई, जबकि एक मंदिर में बम विस्फोट में कई लोग घायल हो गए।

8 मार्च को Cumilla शहर के दक्षिण ठाकुरपाड़ा इलाके में स्थित Kaligach Tala Kali Mandir में शनि देव की पूजा चल रही थी। इसी दौरान अज्ञात हमलावरों ने मंदिर परिसर में देसी बम फेंक दिए। विस्फोट में मंदिर के पुजारी Keshab Chakraborty सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार धमाके के बाद इलाके में अफरा-

तफरी मच गई। रिपोर्ट के मुताबिक एक नकाबपोश व्यक्ति मंदिर में दाखिल हुआ और विस्फोट से पहले एक बैग छोड़कर चला गया। पहले धमाके के बाद हमलावरों ने पास के एक बौद्ध मंदिर और एक निजी कार्यालय के पास भी दो और बम फेंके।

अधिकार समूह के अनुसार 6 मार्च को बोगुरा जिला के सरियाकांदी इलाके में 40 वर्षीय Chayon Rajbhar की चाकू मारकर हत्या कर दी गई।

वह एक कोचिंग सेंटर 'The New Contest' के संचालक थे। इसके अगले दिन 7 मार्च को कॉक्स बाजार में 29 वर्षीय हिंदू युवक गणेश पाल की कथित तौर पर जबरन वसूली का पैसा देने से इनकार करने पर हत्या कर दी गई।

सुनवाई होने तक आरोपमुक्त नहीं होंगे केजरीवाल-सिसोदिया, हाईकोर्ट ने कहा- ट्रायल कोर्ट ने अहम तथ्यों को नजरअंदाज किया

नई दिल्ली, 09 मार्च। दिल्ली उच्च न्यायालय ने आबकारी नीति मामले में सीबीआई की याचिका पर केजरीवाल, सिसोदिया और 21 अन्य को नोटिस जारी किया। सीबीआई ने सोमवार को दिल्ली उच्च न्यायालय को बताया कि आबकारी नीति मामले में अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को बरी करने का निचली अदालत का आदेश अनुचित है। सीबीआई की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि उत्पाद शुल्क नीति का मामला सबसे बड़े घोटालों में से एक है और भ्रष्टाचार का स्पष्ट उदाहरण है।

मेहता ने कहा कि ट्रायल कोर्ट ने केजरीवाल, सिसोदिया और अन्य को बिना सुनवाई के ही बरी कर दिया। उन्होंने कहा कि सीबीआई ने शराब नीति में हेरफेर के लिए साजिश और रिश्वतखोरी को दशार्ने वाले पुख्ता सबूत जुटाए हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल, सिसोदिया और अन्य के खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं और गवाह सीबीआई के मामले का समर्थन करते हैं। सीबीआई ने कहा कि हमारे द्वारा जुटाए गए सबूतों को नजरअंदाज किया गया है और केजरीवाल, सिसोदिया और अन्य के खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं और गवाह सीबीआई के मामले का समर्थन करते हैं। पिछले हफ्ते दिल्ली की एक अदालत ने कहा कि शराब नीति की जांच के दौरान सीबीआई द्वारा जुटाए गए सबूत ₹नीति को छिपाने, एकतरफापन या संवैधानिक अधिकार के बहिष्कार₹ का प्रथम

दृष्टया मामला उजागर करने में विफल रहे, और इस मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को बरी कर दिया।

विशेष न्यायाधीश जितेंद्र सिंह, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दायर शराब नीति मामले में आरोपी सिसोदिया, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष के. कविता और 20 अन्य लोगों के खिलाफ मामले की सुनवाई कर रहे थे। 598 पृष्ठों के अपने आदेश में न्यायालय ने कहा, वर्तमान में उपलब्ध सामग्री से नीति को छिपाने, एकतरफा कार्रवाई करने या संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन करने का प्रथम दृष्टया मामला सामने नहीं आता है। इसके विपरीत, रिकॉर्ड से पता चलता है कि प्रक्रिया परामर्श, संचार और प्रशासनिक सावधानी से संचालित थी।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, सिसोदिया ने रवि धवन समिति की उस रिपोर्ट को नजरअंदाज कर दिया था जिसमें उत्पाद शुल्क नीति में विसंगतियों का उल्लेख किया गया था। न्यायालय ने कहा कि यह नीति पिछली उत्पाद शुल्क नीति की चुनौतियों को दूर करने के लिए बनाई गई थी, जिसमें वितरण मार्जिन में सुधार भी शामिल है, जो पिछली व्यवस्था के तहत एकाधिकार की प्रवृत्तियों और नियामक खामियों को दूर करने के प्रयासों को दशार्ता है।

भाजपा के शासन में भारत की विदेश नीति 'गिरवी' रख दी हैः अखिलेश यादव

लखनऊ, 09 मार्च। समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव ने सोमवार को इंडिया ब्लॉक के नेताओं की बैठक से पहले भाजपा की विदेश नीति के प्रबंधन की कड़ी आलोचना की। इंडिया ब्लॉक के नेताओं की बैठक के एजेंडे पर चर्चा करते हुए समाजवादी पार्टी के सांसद ने आरोप लगाया कि भाजपा के शासन में भारत की विदेश नीति 'गिरवी' रखी गई है। बढ़ती महंगाई के प्रभाव को उजागर करते हुए उन्होंने दावा किया कि मध्य पूर्व में फंसे कई भारतीय नागरिक मौजूदा संकट के कारण त्योहार नहीं मना पा रहे हैं।

याद ने पत्रकारों से कहा कि भारतीय जनता पार्टी सरकार के तहत हमारी विदेश नीति गिरवी रखी गई है और जिस तरह से महंगाई बढ़ रही है, वहां फंसे हमारे कई भारतीय नागरिक कई त्योहार नहीं मना पा रहे हैं... आखिर भारतीय सरकार कर क्या रही है?... नेताओं की बैठक होगी। मुझे लगता है कि उसमें कई फैसले लिए जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि इंडिया ब्लॉक के नेता लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को हटाने की मांग वाले प्रस्ताव पर आगे की रणनीति को अंतिम रूप देने के लिए बैठक कर रहे हैं।

यादव ने आगे कहा कि सदन के नेताओं की बैठक होगी, जिसमें आगे

की कार्यवाही तय की जाएगी। अन्य विपक्षी नेताओं ने भी भाजपा के विदेश नीति के रवैये की आलोचना की। समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर संसद में विदेश मंत्री के आगामी बयान पर टिप्पणी करते हुए आरोप लगाया कि सत्ताधारी सरकार विदेश नीति के मामलों पर स्पष्टीकरण देने में लगातार आनाकानी कर रही है।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

थार की चपेट में आए मोटरसाइकिल सवार, 2 लोगों की दर्दनाक मौत

बीकानेर। राजस्थान में बीकानेर जिले के गजनेर थाना क्षेत्र में रविवार देर रात एक थार जीप की चपेट में आने से मोटर साइकिल पर सवार दो युवकों की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मोहित पारीक और प्रमोद पंवार मोटर साइकिल से कोड़मदेसर से गांधी प्याऊ की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में विपरीत दिशा से आ रही थार जीप ने उन्हें टक्कर मार दी। आमने सामने की टक्कर से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। उधर घटना के बाद परिजनों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने पीबीएम अस्पताल के शवगृह के बाहर धरना लगा दिया।

आभासी दुनिया से बचपन को सुरक्षित रखने की पहल

-ललित गर्ग

डिजिटल युग में मानव जीवन की गति और स्वरूप तेजी से बदल रहा है। संचार, शिक्षा, मनोरंजन और सामाजिक संबंधों का बड़ा हिस्सा अब आभासी माध्यमों के सहारे संचालित होने लगा है। इस परिवर्तन ने जहां अनेक सुविधाएं प्रदान की हैं, वहीं विशेष रूप से बच्चों और किशोरों के मानसिक, शैक्षणिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास के सामने नई चुनौतियां भी खड़ी कर दी हैं। इसी संदर्भ में भारत के तकनीकी रूप से अग्रणी राज्य कर्नाटक ने एक महत्वपूर्ण और अनुकरणीय पहल करते हुए सोलह वर्ष से कम आयु के बच्चों को सामाजिक माध्यमों के उपयोग से दूर रखने का निर्णय लिया है। राज्य सरकार ने 2026-27 के बजट सत्र में यह घोषणा की कि किशोर आयु वर्ग के बच्चों द्वारा सामाजिक माध्यमों के उपयोग पर रोक लगाने के लिए कठोर नियम बनाए जाएंगे। यह निर्णय अभिभावकों की उस चिंता को कम करता है जो अनियंत्रित डिजिटल गतिविधियों से उत्पन्न होने वाले जोखिम से परेशान थे। जिसमें साइबर बुलिंग व साइबर धोखाधड़ी भी शामिल है। इस पहल का उद्देश्य बच्चों को आभासी दुनिया के दुष्प्रभावों से बचाना और उनके स्वस्थ मानसिक विकास को सुनिश्चित करना है। एक अनुकरणीय पहल है, जिससे प्रेरणा लेते हुए अन्य प्रांतों को भी बचपन को सोशल मीडिया के खतरों से बचाने की दिशा में सार्थक उपक्रम करने चाहिए।

कर्नाटक की इस पहल के तुरंत बाद आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने भी विधानसभा में घोषणा की कि राज्य में तेरह वर्ष से कम आयु के बच्चों द्वारा सामाजिक माध्यमों के उपयोग पर रोक लगाने के लिए आगामी नब्बे दिनों के भीतर कानून बनाया जाएगा। इस प्रकार आंध्र प्रदेश कर्नाटक के बाद ऐसा निर्णय लेने वाला दूसरा राज्य बनने जा रहा है। इन दोनों राज्यों की पहल केवल प्रशासनिक निर्णय भर नहीं है, बल्कि यह तेजी से आभासी होती दुनिया में बच्चों की सुरक्षा को लेकर चल रही वैश्विक बहस का हिस्सा भी है। विश्व के अनेक देशों में इस विषय पर गंभीर चिंतन हो रहा है। उदाहरण के लिए ऑस्ट्रेलिया में पहले ही सोलह वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सामाजिक माध्यमों के उपयोग पर प्रतिबंध लागू किया जा चुका है, वहीं फ्रांस जैसे देशों में भी बच्चों की डिजिटल सुरक्षा को लेकर कठोर नियम बनाए जा रहे हैं। वास्तव में पिछले कुछ वर्षों में अनेक मनोवैज्ञानिकों और बाल स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लगातार चेतावनी दी है कि सामाजिक माध्यमों का अनियंत्रित उपयोग किशोरों के मानसिक और भावनात्मक विकास पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है। बच्चों में आत्मविश्वास की कमी, अकेलापन, चिंता, अवसाद, ध्यान भंग होने की प्रवृत्ति तथा आक्रामक व्यवहार जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। आभासी मंचों पर लगातार तुलना और प्रदर्शन की प्रवृत्ति के कारण बच्चों के मन में हीनता और असंतोष की भावना भी जन्म लेने लगती है। यही कारण है कि भारत सरकार ने 2025-26 के आर्थिक सर्वेक्षण में भी इस विषय को गंभीर चिंता के रूप में रेखांकित किया था।

विभिन्न अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार किशोरों का औसत दैनिक स्क्रीन समय लगातार बढ़ रहा है। अनेक सर्वेक्षण बताते हैं कि कई देशों में तेरह से अठारह वर्ष आयु वर्ग के बच्चे प्रतिदिन तीन से छह घंटे तक आभासी माध्यमों पर समय बिताते हैं। इसका प्रत्यक्ष प्रभाव उनकी पढ़ाई, नींद, पारिवारिक संवाद और शारीरिक गतिविधियों पर पड़ता है। ध्यान और एकाग्रता की क्षमता में कमी आने से अध्ययन की गुणवत्ता प्रभावित होती है। बच्चों का स्वाभाविक बचपन, जो खेलकूद, मित्रता और प्रकृति के साथ जुड़ाव से समृद्ध होता है, वह धीरे-धीरे कृत्रिम आभासी संसार में सिमटता जा रहा है। इसके अतिरिक्त सामाजिक माध्यमों के माध्यम से साइबर उत्पीड़न और साइबर धोखाधड़ी जैसी समस्याएं भी तेजी से बढ़ रही हैं। कई बार बच्चे अनजान में ऐसे जाल में फंस जाते हैं जिससे उनका मानसिक संतुलन और सुरक्षा दोनों प्रभावित होते हैं। इंटरनेट पर उपलब्ध अनुचित सामग्री भी बच्चों के मनोविज्ञान पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। इन सभी परिस्थितियों को देखते हुए यह स्पष्ट हो गया है कि बच्चों की सुरक्षा के लिए आभासी दुनिया के बढ़ते प्रचलन पर केवल जागरूकता पर्याप्त नहीं है, बल्कि ठोस नीतिगत कदम उठाने की आवश्यकता है।

हालांकि कर्नाटक और आंध्र प्रदेश की पहल सराहनीय है, किंतु इसके प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर अनेक व्यावहारिक प्रश्न भी सामने आते हैं। आज के समय में स्मार्टफोन और विभिन्न अनुप्रयोग शिक्षा और दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। अनेक विद्यालय असाइनमेंट, सूचना और संवाद के लिए डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते हैं। ऐसे में यह निर्धारित करना कठिन हो सकता है कि किसी बच्चे द्वारा किया गया उपयोग शैक्षिक उद्देश्य से है या सामाजिक उद्देश्य से। दूसरा महत्वपूर्ण प्रश्न आयु सत्यापन की प्रक्रिया से जुड़ा हुआ है। यह सुनिश्चित करना कि कोई बच्चा वास्तव में तेरह या सोलह वर्ष से कम आयु का है, तकनीकी दृष्टि से एक जटिल कार्य है। यदि तकनीकी कंपनियां इस दिशा में सहयोग नहीं करती हैं तो नियमों को प्रभावी ढंग से लागू करना कठिन हो सकता है। अनेक परिवारों में एक ही मोबाइल फोन का उपयोग परिवार के कई सदस्य करते हैं, ऐसे में बच्चों द्वारा सामाजिक माध्यमों तक पहुंच को पूरी तरह रोकना भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। फिर भी इन कठिनाइयों के बावजूद यह पहल अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह समाज को एक गंभीर समस्या की ओर ध्यान दिलाती है। वास्तव में बच्चों को आभासी माध्यमों के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए केवल प्रतिबंध पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि एक संतुलित और व्यापक दृष्टिकोण एवं जागरूकता अभियान अपनाना आवश्यक होगा। इसमें सरकार, विद्यालयों, तकनीकी मंचों और अभिभावकों की समान रूप से महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

सरकारों को चाहिए कि वे बच्चों की डिजिटल सुरक्षा के लिए स्पष्ट नीतियां बनाएं और तकनीकी कंपनियों के साथ मिलकर ऐसी व्यवस्था विकसित करें जिसमें बच्चों की आयु का सत्यापन प्रभावी ढंग से किया जा सके। विद्यालयों को भी छात्रों को डिजिटल अनुशासन और जिम्मेदार उपयोग के बारे में शिक्षित करना चाहिए। अभिभावकों की भूमिका तो सबसे महत्वपूर्ण है क्योंकि बच्चों के व्यवहार और आदतों का निर्माण परिवार में ही होता है। यदि माता-पिता स्वयं डिजिटल संयम का उदाहरण प्रस्तुत करें और बच्चों के साथ संवाद बनाए रखें, तो आभासी माध्यमों के दुष्प्रभावों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसके साथ ही बच्चों को रचनात्मक और सृजनात्मक वातावरण प्रदान करना भी आवश्यक है। खेलकूद, पठन-पाठन, संगीत, कला और प्रकृति के साथ जुड़ाव जैसी गतिविधियां बच्चों के व्यक्तित्व को संतुलित और समृद्ध बनाती हैं। यदि बचपन में ही इन सकारात्मक आदतों का विकास किया जाए, तो बच्चे स्वाभाविक रूप से आभासी माध्यमों पर निर्भरता से दूर रह सकते हैं। समाज को भी इस दिशा में सकारात्मक पहल करनी चाहिए ताकि बच्चों के लिए स्वस्थ और प्रेरणादायक वातावरण तैयार किया जा सके।

आज यह स्पष्ट हो चुका है कि डिजिटल क्रांति के साथ-साथ डिजिटल अनुशासन की भी आवश्यकता है। तकनीक का उद्देश्य मानव जीवन को समृद्ध बनाना होना चाहिए, न कि उसे मानसिक और सामाजिक संकटों की ओर धकेलना। कर्नाटक और आंध्र प्रदेश की पहल इस दिशा में एक महत्वपूर्ण चेतावनी और प्रेरणा दोनों है। यदि अन्य राज्य भी इससे प्रेरणा लेकर बच्चों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाएं और केंद्र सरकार इस विषय पर राष्ट्रीय स्तर का कानून बनाने पर विचार करे, तो यह भविष्य की पीढ़ियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो सकता है। लगातार बिगड़ती स्थितियों के बीच निश्चित तौर पर केंद्र सरकार को भी देश में एक केंद्रीय कानून लाने को बाध्य होना पड़ सकता है। वहीं केंद्र सरकार को इस मुद्दे पर विषय विशेषज्ञों और समाज के विभिन्न वर्गों से भी राय लेनी चाहिए। ऐसे वक्त में जब बच्चों का स्क्रीन टाइम एक लत के रूप में लगातार बढ़ा है तथा उनकी एकाग्रता कम होने से पढ़ाई बाधित हो रही है, तो इस संकट का समाधान केंद्र व राज्यों की प्राथमिकता होनी चाहिए। वास्तव में बच्चों का बचपन केवल आभासी दुनिया में खो जाने के लिए नहीं है। उनका बचपन कल्पनाओं, खेल, सीखने और सृजन की संभावनाओं से भरा हुआ होना चाहिए। यदि समाज और शासन मिलकर यह सुनिश्चित कर सकें कि बच्चों का बचपन सुरक्षित, संतुलित और सृजनात्मक वातावरण में विकसित हो, तभी हम एक स्वस्थ, संवेदनशील और सशक्त भविष्य की कल्पना कर सकते हैं।

टीम इंडिया ने विश्व क्रिकेट में कायम की नई बादशाहत

-सुरेश गांधी

विश्व क्रिकेट में भारत की नई बादशाहत

क्रिकेट की दुनिया में कुछ जीतें केवल ट्रॉफी तक सीमित नहीं रहतीं, वे इतिहास बन जाती हैं। रविवार की रात अहमदाबाद के विशाल स्टेडियम में ऐसा ही दृश्य देखने को मिला, जब इंडिया नेशनल क्रिकेट टीम ने टी-20 विश्व कप 2026 के फाइनल में न्यूजीलैंड नेशनल क्रिकेट टीम को 96 रन से हराकर विश्व क्रिकेट में अपनी सर्वोच्चता का परचम फिर लहरा दिया। यह जीत केवल एक टूनार्मेंट की सफलता नहीं, बल्कि उस भारतीय क्रिकेट व्यवस्था, प्रतिभा और संकल्प का प्रतीक है जिसने आज दुनिया को यह स्वीकार करने पर मजबूर कर दिया कि सीमित ओवरों के क्रिकेट में भारत एक महाशक्ति बन चुका है . क्रिकेट के इस उज्ज्वल क्षण में पूरा देश एक स्वर में यही कह रहा है, यह जीत केवल टीम इंडिया की नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के विश्वास की जीत है...

क्रिकेट की दुनिया में कुछ जीतें केवल ट्रॉफी तक सीमित नहीं रहतीं, वे इतिहास बन जाती हैं। रविवार की रात नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में ऐसा ही दृश्य देखने को मिला, जब इंडिया नेशनल क्रिकेट टीम ने टी-20 विश्व कप 2026 के फाइनल में न्यूजीलैंड नेशनल क्रिकेट टीम को 96 रन से हराकर विश्व क्रिकेट में अपनी सर्वोच्चता का परचम एक बार फिर लहरा दिया। यह जीत केवल एक टूनार्मेंट की सफलता नहीं, बल्कि उस भारतीय क्रिकेट व्यवस्था, प्रतिभा और सामूहिक संकल्प का प्रतीक है जिसने दुनिया को यह मानने पर मजबूर कर दिया है कि सीमित ओवरों के क्रिकेट में भारत एक महाशक्ति बन चुका है।

भारत में क्रिकेट केवल खेल नहीं, बल्कि जनभावना, उम्मीद और राष्ट्रीय गौरव का उत्सव है। जब भी मैदान पर तिरंगा लहराता है और जीत का शंखनाद होता है, तब करोड़ों भारतीयों के हृदय एक साथ धड़कते हैं। अहमदाबाद की इस ऐतिहासिक रात ने भी ऐसा ही क्षण रचा। टीम इंडिया ने अपने शानदार प्रदर्शन से एक और यादगार जीत दर्ज कर पूरे देश को गर्व से भर दिया। यह जीत केवल स्कोरबोर्ड पर दर्ज आंकड़ों की विजय नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, धैर्य और सामूहिक संकल्प की भी जीत है।

मैदान पर उतरते समय हर खिलाड़ी जानता है कि उसके कंधों पर केवल टीम की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे देश की अपेक्षाएँ भी होती हैं। ऐसे दबाव में भी संयम बनाए रखना और निर्णायक क्षणों में अपना सर्वश्रेष्ठ देना ही महान टीमों की पहचान होती है। टीम इंडिया ने वही कर दिखाया। जिस दृढ़ता, रणनीति और धैर्य के साथ खिलाड़ियों ने मैच को अपने पक्ष में मोड़ा, वह आने वाले वर्षों तक भारतीय क्रिकेट की प्रेरक कथा के रूप में याद किया जाएगा।

विस्फोटक बल्लेबाजी ने लिखी जीत की पटकथा

फाइनल मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 255 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन ने 46 गेंदों पर 89 रन की तूफानी पारी खेलकर मैच की दिशा तय कर दी। चौकों और छक्कों से सजी उनकी पारी ने न्यूजीलैंड की गेंदबाजी को पूरी तरह दबाव में ला दिया। उनके साथ युवा बल्लेबाज अभिशेक शर्मा ने 21 गेंदों पर 52 रन की विस्फोटक पारी खेली, जबकि इशान किशन ने 25 गेंदों पर 54 रन बनाकर टीम को मजबूत आधार दिया। अंतिम ओवरों में शिवम दुबे की तेजतर्रार बल्लेबाजी ने स्कोर को और ऊंचाई दी। भारत का यह स्कोर टी-20 विश्व कप फाइनल के इतिहास के सबसे बड़े स्कोरों में शामिल हो गया।

बुमराह की घातक गेंदबाजी से टूटा न्यूजीलैंड

255 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम शुरूआत से ही दबाव में दिखी। भारतीय गेंदबाजों ने सटीक लाइन और लेंथ से कीवी बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। तेज गेंदबाज जसप्रित बुमराह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार विकेट झटके और मैच के नायक बनकर उभरे। वहीं स्पिनर अक्षर पटेल ने भी तीन विकेट लेकर न्यूजीलैंड की उम्मीदों पर अंतिम प्रहार कर दिया। अंततः कीवी टीम 19 ओवर में 159 रन पर सिमट गई और भारत ने 96 रन से ऐतिहासिक जीत दर्ज कर ली। बुमराह को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जबकि पूरे टूनार्मेंट में 300 से अधिक रन बनाने वाले संजू सैमसन को प्लेयर ऑफ द टूनार्मेंट का सम्मान मिला।

विश्व क्रिकेट में भारत का स्वर्णिम दौर

भारत की यह जीत केवल एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि उस सुनहरे दौर का प्रमाण है जिसमें भारतीय क्रिकेट इस समय प्रवेश कर चुका है। वर्ष 2007 में पहला टी-20 विश्व कप जीतने के बाद भारत ने 2024 में फिर यह खिताब अपने नाम किया और अब 2026 में लगातार दूसरी बार इसे जीतकर नया इतिहास रच दिया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में निरंतर सफलता प्राप्त करना बेहद कठिन माना जाता है, लेकिन भारतीय टीम ने पिछले कुछ वर्षों में जिस संतुलन, अनुशासन और निरंतरता का परिचय दिया है, उसने उसे विश्व क्रिकेट की सबसे मजबूत टीमों में शामिल कर दिया है।

युवा ऊर्जा और अनुभव का अद्भुत संगम

इस जीत के पीछे भारतीय टीम का संतुलित संयोजन भी बड़ी वजह रहा। कप्तान सूर्य कुमार यादव के नेतृत्व में टीम ने आक्रामक और सकारात्मक क्रिकेट खेला। युवा खिलाड़ियों की ऊर्जा और अनुभवी खिलाड़ियों की समझ का जो तालमेल टीम में दिखाई दिया, वही उसकी सबसे बड़ी ताकत बनकर सामने आया। आज की भारतीय टीम केवल प्रतिभा पर निर्भर नहीं है, बल्कि फिटनेस, रणनीति, डेटा विश्लेषण और मानसिक मजबूती जैसे आधुनिक पहलुओं में भी विश्व की अग्रणी टीमों में शामिल हो चुकी है। यही कारण है कि बड़े मैचों में भी भारतीय खिलाड़ी दबाव से घबराते नहीं, बल्कि उसे अवसर में बदल देते हैं।

2023 की कसक का भी मिला जवाब

अहमदाबाद का यही मैदान भारतीय क्रिकेट के लिए 2023 के वनडे विश्व कप फाइनल की हार की कड़वी याद भी समेटे हुए था। उस समय ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली हार ने करोड़ों भारतीय प्रशंसकों को निराश किया था। लेकिन इस बार उसी मैदान पर मिली जीत ने मानो उस दर्द को धो दिया। जब हजारों दर्शकों की मौजूदगी में भारतीय खिलाड़ियों ने ट्रॉफी उठाई, तो वह केवल जीत का क्षण नहीं था बल्कि आत्मविश्वास की वापसी का प्रतीक भी था।

क्रिकेट से आगे की कहानी

भारतीय क्रिकेट की यह सफलता केवल मैदान तक सीमित नहीं है। इसके पीछे देश की मजबूत घरेलू क्रिकेट संरचना, बेहतर प्रशिक्षण व्यवस्था और खिलाड़ियों को मिलने वाली सुविधाओं का भी बड़ा योगदान है। यही वजह है कि भारतीय टीम में लगातार नई प्रतिभाएँ उभर रही हैं और अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी छाप छोड़ रही हैं।

राष्ट्र के उत्साह का पर्व

टीम इंडिया की इस जीत के साथ पूरे देश में उत्सव का माहौल दिखाई दिया। महानगरों से लेकर गांवों की चौपाल तक हर जगह लोगों ने तिरंगा लहराकर और पटाखे जलाकर इस जीत का जश्न मनाया। यह वही क्षण होते हैं जब खेल समाज को जोड़ने का माध्यम बन जाता है। भाषा, क्षेत्र और वर्ग की सीमाएँ मिट जाती हैं और पूरा देश एक ही भावना में डूब जाता है—गर्व और उल्लास की भावना में।

भविष्य के लिए नया विश्वास

टी-20 विश्व कप 2026 की यह जीत भारतीय क्रिकेट के भविष्य के लिए भी नई उम्मीदें जगाती है। यह संकेत देती है कि आने वाले वर्षों में भी भारत विश्व क्रिकेट में अपनी बादशाहत कायम रख सकता है। यह जीत युवा पीढ़ी के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगी। अहमदाबाद की यह ऐतिहासिक रात भारतीय क्रिकेट के इतिहास में एक नए स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज हो गई है। जब आने वाले वर्षों में इस दौर को याद किया जाएगा, तो निश्चित ही कहा जाएगा कि यह वह समय था जब भारतीय क्रिकेट केवल प्रतिस्पर्धा नहीं कर रहा था, बल्कि विश्व क्रिकेट का नेतृत्व कर रहा था। साफ है—यह जीत केवल टीम इंडिया की नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के विश्वास की जीत है।

जेडीयू में निशांत की एंट्री परिवारवाद या सियासी जरूरत?

-अजय कुमार

बिहार की राजनीति में कभी-कभी ऐसे मोड़ आते हैं जो केवल एक व्यक्ति की एंट्री नहीं, बल्कि पूरे राजनीतिक ढांचे की दिशा बदलने की क्षमता रखते हैं। जनता दल यूनाइटेड में निशांत कुमार का औपचारिक प्रवेश भी ऐसा ही एक क्षण है। लंबे समय तक राजनीति से दूरी बनाए रखने वाले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे का पार्टी की सदस्यता लेना महज पारिवारिक घटना नहीं है, बल्कि उस राजनीतिक युग के अंत और दूसरे युग की शुरूआत का संकेत भी माना जा रहा है जिसमें जेडीयू की पहचान पूरी तरह नीतीश कुमार के व्यक्तित्व से जुड़ी रही है ।करीब दो दशकों तक बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार निर्णायक भूमिका में रहे। 2005 में जब उन्होंने सत्ता संभाली तो राज्य की पहचान अव्यवस्था, अपराध और कमजोर बुनियादी ढांचे से जुड़ी हुई थी। उसके बाद सड़क, बिजली, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में कई योजनाएं लागू की गईं। पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण, साइकिल योजना और छात्रवृत्ति कार्यक्रम जैसे फैसलों ने उन्हें ह्लसुशासन बाबूह्व की छवि दी। 2010 के विधानसभा चुनाव में जेडीयू ने 115 सीटें जीतकर अपने राजनीतिक चरम को छुआ था। लेकिन समय के साथ समीकरण बदले। 2020 के चुनाव में पार्टी 43झ45 सीटों तक सिमट गई। हालांकि 2025 के विधानसभा चुनाव में जेडीयू ने लगभग 85 सीटें जीतकर वापसी की, फिर भी यह स्पष्ट हो गया कि पार्टी की ताकत अब पहले जैसी नहीं रही। इसी पृष्ठभूमि में निशांत कुमार का राजनीति में आना महत्व रखता है। 40 वर्ष के इंजीनियर निशांत अब तक सार्वजनिक जीवन से दूर रहे। उनका स्वभाव अंतमुर्खी बताया जाता रहा है और वे लंबे समय तक आध्यात्मिक रुचियों में व्यस्त रहने के कारण भी चर्चा में रहे। ऐसे व्यक्ति का अचानक सक्रिय राजनीति में उतरना स्वाभाविक रूप से जिज्ञासा और संदेह दोनों पैदा करता है। लेकिन राजनीति में अक्सर परिस्थितियां व्यक्ति को आगे धकेल देती हैं। जेडीयू भी उसी दौर से गुजर रही है जहां संगठन को भविष्य का चेहरा चाहिए।

बिहार की राजनीति में क्षेत्रीय दलों का अनुभव बताता है कि जब कोई पार्टी लंबे समय तक एक नेता पर निर्भर रहती है तो उसके बाद नेतृत्व का संकट पैदा हो जाता है। राष्ट्रीय जनता दल में लालू प्रसाद यादव के बाद तेजस्वी यादव का उभार इसी कारण हुआ। समाजवादी पार्टी में मुलायम सिंह यादव के बाद अखिलेश यादव का नेतृत्व सामने आया। तमिलनाडु में करुणानिधि के बाद एम.के. स्टालिन ने पार्टी संभाली। इन उदाहरणों से यह भी स्पष्ट है कि पारिवारिक उत्तराधिकार भारतीय राजनीति की एक स्वीकृत वास्तविकता बन चुका है। यही वजह है कि नीतीश कुमार, जो वर्षों तक परिवारवाद की आलोचना करते रहे, अंततः उसी रास्ते पर चलते दिखाई दिए ।जेडीयू का सामाजिक आधार भी इस निर्णय को समझने में मदद करता है। पार्टी की ताकत मुख्यतः कुर्मी, कोइरी और अति पिछड़ा वर्ग के वोटों पर टिकी रही है। 2010 के चुनाव में जेडीयू-भाजपा गठबंधन को लगभग 39 प्रतिशत वोट मिले थे, जिसमें जेडीयू का बड़ा हिस्सा इन वर्गों से आया। लेकिन पिछले कुछ चुनावों में यह आधार धीरे-धीरे खिसकने लगा। भाजपा का प्रभाव बढ़ा और कई इलाकों में उसका संगठन जेडीयू से ज्यादा मजबूत होता गया। राजनीतिक विश्लेषण बताते हैं कि बिहार में भाजपा का वोट प्रतिशत 2010 के लगभग 16-17 प्रतिशत से बढ़कर हाल के वर्षों में 25 प्रतिशत के आसपास पहुंच गया है। ऐसे में जेडीयू के सामने दोहरी चुनौती है अपना सामाजिक आधार बचाना और गठबंधन की राजनीति में अपनी पहचान बनाए रखना ।यहीं पर निशांत कुमार की भूमिका अहम हो सकती है। जेडीयू के भीतर यह धारणा बन रही है कि अगर पार्टी के पास नीतीश कुमार के परिवार से कोई चेहरा रहेगा तो संगठन में एकजुटता बनी रहेगी। क्षेत्रीय दलों के इतिहास में यह अक्सर देखा गया है कि करिश्माई नेता के बाद पार्टी बिखर जाती है। बिहार में भी कई छोटे दल इसी कारण खत्म हो गए। इसलिए जेडीयू के नेताओं को लगता है कि निशांत की मौजूदगी कम से कम पार्टी को एक धुरी दे सकती है।

हालांकि चुनौतियां कम नहीं हैं। बिहार की राजनीति में गठबंधन की प्रकृति बेहद जटिल है। भाजपा और जेडीयू का रिश्ता पिछले डेढ़ दशक में कई बार टूटा और जुड़ा है। 2013 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को लेकर दोनों दल अलग हुए। 2017 में फिर साथ आए। 2022 में जेडीयू ने महागठबंधन का रास्ता चुना और 2024 में एक बार फिर एनडीए में लौट आई। इन उतार-चढ़ावों ने जेडीयू के कार्यकताओं और मतदाताओं के बीच भी असमंजस पैदा किया। अगर भविष्य में भाजपा बिहार में अपना मुख्यमंत्री चेहरा आगे बढ़ाती है तो जेडीयू का राजनीतिक महत्व और घट सकता है ।निशांत कुमार को इसी परिस्थिति में अपनी पहचान बनानी होगी। उनके सामने पहला काम संगठन को मजबूत करना होगा। जेडीयू के पास आज भी कई अनुभवी नेता हैं, लेकिन उनमें से अधिकांश की पहचान क्षेत्रीय स्तर तक सीमित है। यदि युवा नेतृत्व को आगे लाकर संगठन में नई ऊर्जा भरी जाती है तो पार्टी को लाभ हो सकता है। बताया जा रहा है कि युवा विधायकों और करीबी सहयोगियों की एक टीम पहले से तैयार की जा रही है जो राजनीतिक प्रशिक्षण और रणनीति में निशांत की मदद करेगी ।इतिहास बताता है कि राजनीति में शुरूआती छवि अंतिम नहीं होती। ओडिशा के नवीन पटनायक इसका उदाहरण हैं। 1997 में जब वे राजनीति में आए थे तो उन्हें भी अनुभवहीन और संकोची कहा जाता था। लेकिन कुछ ही वर्षों में उन्होंने अपनी शैली विकसित की और 24 साल तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे। बिहार की परिस्थितियां अलग जरूर हैं, पर यह भी सच है कि राजनीति में धैर्य और समय बहुत कुछ बदल देते हैं।

फिलहाल निशांत कुमार के सामने सबसे बड़ी कसौटी यही है कि वे खुद को केवल नीतीश कुमार के बेटे से आगे साबित करें। अगर वे संगठन में संवाद बढ़ा सके, सामाजिक आधार को मजबूत कर सके और गठबंधन की राजनीति में संतुलन बना सके तो जेडीयू को नई दिशा मिल सकती है। लेकिन अगर वे केवल प्रतीकात्मक नेता बनकर रह गए तो पार्टी के भीतर खींचतान बढ़ना तय है ।बिहार की राजनीति हमेशा व्यक्तित्वों के इर्द-गिर्द घूमती रही है। लालू प्रसाद यादव, नीतीश कुमार और अब तेजस्वी यादव इन सभी ने अपने-अपने दौर में राज्य की राजनीति को दिशा दी है। निशांत कुमार का राजनीतिक सफर अभी शुरू हुआ है। यह कहना जल्दबाजी होगी कि वे अपने पिता की विरासत संभाल पाएंगे या नहीं। लेकिन इतना तय है कि उनकी एंट्री ने बिहार की राजनीति में एक नई बहस और नई प्रतीक्षा जरूर पैदा कर दी है। आने वाले वर्षों में यह साफ होगा कि यह कदम जेडीयू को स्थिरता देगा या पार्टी को एक नए संघर्ष के दौर में ले जाएगा।

अब क्या कहेंगे वे लोग, जो स्टेडियम के नाम को बहाना बनाकर प्रधानमंत्री को पनौती

-प्रियंका सौरभ

– डॉ. प्रियंका सौरभ

लोकतंत्र में असहमति और आलोचना को एक स्वस्थ परंपरा माना जाता है। सत्ता में बैठी सरकार, उसके निर्णयों और उसके नेतृत्व पर सवाल उठाना नागरिकों का अधिकार भी है और लोकतंत्र की मजबूती का प्रमाण भी। लेकिन जब आलोचना की सीमाएँ टूटकर व्यक्तिगत कटाक्ष, उपहास और अपमान तक पहुँच जाती हैं, तब यह केवल राजनीतिक असहमति नहीं रह जाती, बल्कि एक ऐसी मानसिकता का रूप ले लेती है जो लोकतांत्रिक संवाद को कमजोर करती है। हाल के वर्षों में भारतीय राजनीति में वैचारिक मतभेदों की जगह कटुता और घृणा ने तेजी से स्थान बना लिया है। किसी भी घटना, उपलब्धि या राष्ट्रीय आयोजन को देखने से पहले उसे राजनीतिक चश्मे से परखने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। यही कारण है कि कई बार देश से जुड़ी उपलब्धियों या आयोजनों को भी कुछ लोग केवल इसलिए तिरस्कार की दृष्टि से देखने लगते हैं क्योंकि उनका संबंध उस नेतृत्व या सरकार से जोड़ दिया जाता है जिससे वे वैचारिक रूप से असहमत होते हैं।

खेल के मैदान को सामान्यतः राजनीति से अलग माना जाता है। खेल में प्रतिस्पर्धा होती है, हार-जीत होती है, लेकिन अंततः खेल भावना ही सर्वोपरि रहती है। किंतु जब खेल के मंच को भी राजनीतिक कटाक्ष और व्यक्तिगत टिप्पणियों का माध्यम बना दिया जाए, तो यह खेल की गरिमा और राष्ट्रीय भावना दोनों को आहत करता है। क्रिकेट जैसे खेल, जो भारत में करोड़ों लोगों की भावनाओं से जुड़ा है, उसे भी जब राजनीतिक तंज का विषय बना दिया जाता है तो यह प्रवृत्ति चिंताजनक प्रतीत होती है। विडंबना यह है कि जिस स्टेडियम के नाम को लेकर कुछ लोगों ने व्यंग्य और कटाक्ष का सहारा लिया, उसी मैदान पर भारत ने विश्व कप जीतकर इतिहास रच दिया। यह घटना केवल खेल की दृष्टि से ही नहीं, बल्कि प्रतीकात्मक रूप से भी बहुत कुछ कहती है। इससे यह स्पष्ट होता है कि क्षणिक राजनीतिक टिप्पणियाँ और नकारात्मक बयानबाजी अंततः वास्तविक उपलब्धियों के सामने टिक नहीं पातीं। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण लोकतंत्र में यह स्वाभाविक है कि सभी लोग एक ही राजनीतिक विचारधारा से सहमत नहीं होंगे। कोई भी नेता या सरकार आलोचना से परे नहीं हो सकती। लेकिन यह भी उतना ही आवश्यक है कि आलोचना तथ्यों, तर्कों और मयार्दा के आधार पर हो। जब आलोचना का स्वरूप गिरकर केवल व्यंग्य, अपमान और उपहास तक सीमित हो जाता है, तब वह लोकतांत्रिक संवाद की गरिमा को कम कर देता है। सोशल मीडिया के विस्तार ने इस समस्या को और भी जटिल बना दिया है। आज हर व्यक्ति के पास अपनी राय व्यक्त करने का मंच है। यह लोकतांत्रिक दृष्टि से सकारात्मक भी है, क्योंकि इससे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को नया विस्तार मिला है। लेकिन इसके साथ ही यह भी देखने में आता है कि कई बार बिना तथ्य जाँचे, बिना गंभीरता से सोचे लोग ऐसी टिप्पणियाँ कर देते हैं जो अनावश्यक विवाद और कटुता को जन्म देती हैं। कई बार लोग केवल किसी समूह विशेष को खुश करने या भीड़ का हिस्सा बनने के लिए ऐसी भाषा का प्रयोग करने लगते हैं जो किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कही जा सकती।

राजनीतिक संवाद में भाषा की मयार्दा का विशेष महत्व होता है। शब्द केवल विचार व्यक्त नहीं करते, बल्कि समाज के वातावरण को भी प्रभावित करते हैं। जब सार्वजनिक जीवन में प्रयुक्त भाषा लगातार कठोर और अपमानजनक होती जाती है, तो उसका प्रभाव समाज के सामान्य व्यवहार पर भी पड़ता है। धीरे-धीरे असहमति को दुश्मनी और आलोचना को अपमान समझने की प्रवृत्ति बढ़ने लगती है। भारतीय राजनीतिक परंपरा में व्यंग्य और कटाक्ष की अपनी एक जगह रही है, लेकिन इसके साथ एक प्रकार का संतुलन और मयार्दा भी दिखाई देती थी। आज स्थिति कई बार ऐसी दिखाई देती है जहाँ शब्दों की तीव्रता और भाषा की कठोरता संवाद की संभावनाओं को ही समाप्त कर देती है। इससे समाज में अनावश्यक तनाव और विभाजन की स्थिति पैदा होती है। इस संदर्भ में यह समझना भी आवश्यक है कि किसी भी लोकतंत्र में स्वस्थ आलोचना अनिवार्य होती है। यदि सरकार या नेतृत्व से कोई भूल होती है तो उसकी आलोचना होना स्वाभाविक है। मीडिया, बुद्धिजीवी और आम नागरिकों का यह दायित्व है कि वे सत्ता से सवाल पूछें। लेकिन आलोचना का उद्देश्य सुधार होना चाहिए, न कि केवल अपमान या उपहास। आज समाज के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह स्वस्थ आलोचना और अनावश्यक घृणा के बीच अंतर को समझे। राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र की स्वाभाविक विशेषता हैं, लेकिन यदि ये मतभेद सामाजिक विभाजन का कारण बनने लगें तो यह स्थिति चिंता का विषय बन जाती है। इसलिए आवश्यक है कि हम असहमति को सम्मानजनक संवाद के रूप में स्वीकार करें, न कि उसे व्यक्तिगत आक्रमण का माध्यम बना दें। समाज के जागरूक वर्ग—जैसे लेखक, पत्रकार, शिक्षाविद और बुद्धिजीवी—इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सार्वजनिक विमर्श का स्तर गिरने न पाए। तर्क, तथ्य और मयार्दा के साथ अपनी बात रखने की परंपरा को मजबूत करना ही लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा योगदान हो सकता है।

यह भी ध्यान रखना चाहिए कि राजनीतिक सत्ता स्थायी नहीं होती। समय के साथ सरकारें बदलती रहती हैं, नेता आते-जाते रहते हैं और परिस्थितियाँ भी बदलती रहती हैं। लेकिन राष्ट्र की प्रतिष्ठा और उसकी गरिमा स्थायी होती है। इसलिए किसी भी राजनीतिक विवाद या असहमति में हमें इस मूल तथ्य को नहीं भूलना चाहिए कि अंततः हम सभी एक ही देश के नागरिक हैं और उसकी प्रतिष्ठा हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम राजनीतिक बहसों को अधिक परिपक्व और जिम्मेदार बनाएं। असहमति को शत्रुता में बदलने के बजाय उसे विचारों के स्वस्थ आदान-प्रदान का माध्यम बनाएं। आलोचना करें, लेकिन तर्क और तथ्य के आधार पर करें। व्यंग्य करें, लेकिन उसकी मयार्दा बनाए रखें। और सबसे महत्वपूर्ण यह कि किसी भी परिस्थिति में देश की प्रतिष्ठा और गरिमा को सर्वोपरि रखें।

लोकतंत्र की असली ताकत केवल चुनावों में नहीं, बल्कि उस संवाद में होती है जो समाज के भीतर निरंतर चलता रहता है। यदि यह संवाद संयमित, तर्कपूर्ण और सम्मानजनक होगा तो लोकतंत्र मजबूत होगा। लेकिन यदि यह संवाद घृणा, उपहास और कटुता से भर जाएगा, तो लोकतंत्र की जड़ें कमजोर पड़ने लगेंगी। अंततः यह स्मरण रखना होगा कि राजनीतिक टिप्पणियाँ क्षणिक होती हैं, लेकिन राष्ट्र की उपलब्धियाँ इतिहास बन जाती हैं। जिस मैदान को लेकर कभी तंज कसे गए थे, उसी मैदान पर जब भारत विश्व विजेता बनकर खड़ा होता है, तो वह केवल एक खेल की जीत नहीं होती—वह यह भी संदेश देती है कि नकारात्मकता और कटाक्ष से ऊपर उठकर ही देश की असली पहचान बनती है। सत्ता बदलती रहती है, राजनीतिक समीकरण बदलते रहते हैं, लेकिन देश की प्रतिष्ठा हमेशा सर्वोपरि रहती है। यही कारण है कि हर नागरिक का यह दायित्व है कि वह अपने शब्दों और विचारों के माध्यम से उस गरिमा को बनाए रखने में योगदान दे। जब हम यह समझने लगेंगे कि राजनीतिक मतभेदों से ऊपर राष्ट्रहित है, तभी लोकतंत्र की वास्तविक भावना सुरक्षित रह सकेगी।

आशा सुभाष मराठे एम पश्चिम प्रभाग समिति की अध्यक्षा बनीं

मुंबई (उत्तरशक्ति)। चेंबूर एम वार्ड(प)में प्रभाग समिति के अध्यक्ष पद के लिए केवल एक ही नामांकन पत्र दाखिल करने से मुंबई के उप महापौर संजय घाडी पीठासीन अधिकारी ने निर्विरोध रुप से प्रभाग समिति के अध्यक्ष के लिये वार्ड नंबर 152 की नगर सेविका आशा सुभाष मराठे के नाम की घोषणा कर दी। इस दौरान आशा सुभाष मराठे को बधाई देने वालों में पूर्व मंत्री अविनाश महातेकर,विधायक तुकाराम काते,पूर्व विधायिका कांता नलावडे,राजेश शिरवाडकर,पूर्व विधायक प्रकाश फातर्पेकर शिक्षण समिति की अध्यक्ष राजश्री शिरवाडकर,विठ्ठल खरटमोल,अनिल ठाकुर,कुशल जैन,धनंजय कोलकर,राजेश पतंगे,नगर सेवक बबलू पांचाल,कशिश फुलवारिया,महादेव शिवगन,सुषम सावंत के अलावा अनेकों लोगों ने आशा सुभाष मराठे को शाल श्रीफल और गुलदस्ता देकर उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दी।

सरदारशहर नागरिक संघ मुंबई द्वारा आयोजित 30वां होली मिलन समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बांधा समां

आचार्य सूरजपाल यादव/मुंबई (उत्तरशक्ति)। सरदारशहर नागरिक संघ मुंबई (एसएनएस) द्वारा बोरीवली पूर्व स्थित महेश्वरी मैदान में 30वां होली मिलन समारोह अत्यंत उत्साह, सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रमों और भव्य आयोजन के साथ मनाया गया। इस ऐतिहासिक आयोजन में संघ के सदस्यों, उनके परिवारों तथा अतिथियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही, जिससे समारोह हाल के वर्षों के सबसे सफल और सराहनीय आयोजनों में शामिल हो गया। उपस्थित लोगों ने कार्यक्रम के उत्कृष्ट संचालन, जीवंत वातावरण और प्रेरणादायक सम्मान समारोह की भरपूर सराहना की। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण राजस्थान के बीकानेर से आए प्रसिद्ध अनमोल संगीत मंडली की शानदार प्रस्तुति रही। कलाकारों ने ऊजार्वान राजस्थानी लोकगीतों और पारंपरिक नृत्य प्रस्तुतियों से पूरे वातावरण को रंग, उमंग और उत्सव की भावना से सराबोर कर दिया। उनकी प्रभावशाली मंच प्रस्तुति ने दर्शकों को अंत तक मंत्रमुग्ध बनाए रखा और समारोह में विशेष सांस्कृतिक छटा बिखेरी। शाम का सबसे गौरवपूर्ण और प्रेरणादायक क्षण संजय धाड़ेवा और रीमा धाड़ेवा का सम्मान रहा। इस दंपति ने मात्र सात दिनों में सातों महाद्वीपों पर सात मैराथन दौड़ पूरी कर इतिहास रचा है। लगभग 40 हजार किलोमीटर की यात्रा करते हुए उन्होंने अंटार्कटिका, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, एशिया, यूरोप, दक्षिण अमेरिका और उत्तर अमेरिका में मैराथन पूरी की। उनकी यह अद्वितीय उपलब्धि समर्पण, सहनशक्ति और दृढ़ संकल्प का प्रेरक उदाहरण है। उपस्थित जनसमूह ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि का सम्मान किया। इसके साथ ही संघ द्वारा इस वर्ष बोर्ड परीक्षाओं और स्नातक स्तर पर सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई, जिससे कार्यक्रम समाज और परिवारों के लिए और भी अधिक सार्थक बन गया। इस भव्य आयोजन का संचालन मुख्य प्रायोजक सुमतिचंद, योगेंद्रकुमार और सौरभ गोठी के नेतृत्व में किया गया। सह-प्रायोजकों में उम्मेदमल डूगड़, श्रीमती गिन्नीदेवी डूगर, विमल डूगड़ और कुलदीप डूगर शामिल रहे। विशेष सहयोग भंवरलाल नाहटा, पन्नालाल श्यामसुखा, श्रीमती बाजरीदेवी बचावत, मोतीलाल डूगड़, उम्मेदमल नाहटा, प्रवीण बचावत, खनियालाल सुराना, सुभागमल मिन्नी और बजरंग डूगड़ का रहा। संघ के अध्यक्ष चंद्र रतन डूगड़, उपाध्यक्ष पूनमचंद बराड़िया और चंद्रप्रकाश सुराना, सचिव संदीप सेठिया, कोषाध्यक्ष संदीप मिन्नी, संयुक्त सचिव मनोज बुच्चा, आयोजन सचिव स्नेह डूगड़ और राजेंद्रप्रसाद स्वामी, मीडिया समन्वयक विशाल नाहटा और विवेक डूगड़ सहित समिति के सभी सदस्यों ने कार्यक्रम की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मंच संचालन रूपसिंह गोठी ने किया। आयोजकों ने सभी प्रायोजकों और सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सामूहिक प्रयासों से 30वां होली मिलन समारोह ऐतिहासिक, प्रेरणादायक और अविस्मरणीय बन सका। कार्यक्रम का समापन उत्सवी शुभकामनाओं, संगीत और आपसी एकता के संदेश के साथ हुआ।

भिवंडी के कचेरी पाडा इलाके में लकड़ी की वखार में भीषण आग; फ्रूट मार्केट की 4 दुकानें जलकर खाक

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी शहर के कचेरी पाडा इलाके में एक लकड़ी की वखार में भीषण आग लगने की घटना सामने आई है। वखार में बड़ी मात्रा में बांस और लकड़ी का स्टॉक रखा होने के कारण आग ने कुछ ही समय में विकराल रूप धारण कर लिया। मिली जानकारी के अनुसार, लकड़ी और बांस के इस गोदाम के पास झाड़ियों और घास में किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा आग लगा दी गई थी। यह आग धीरे-धीरे फैलते हुए पास में स्थित लकड़ी की वखार तक पहुंच गई, जिससे वखार में भी आग लग गई। आग की तीव्रता बढ़ने के कारण पास के फ्रूट मार्केट की तीन से चार फलों की दुकानें भी इसकी चपेट में आ गईं। घटना की जानकारी मिलते ही भिवंडी अग्निशमन दल की तीन गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंच गईं। अग्निशमन दल के जवानों ने कड़ी मशक्कत करते हुए करीब एक घंटे की अथक कोशिशों के बाद आग पर काबू पा लिया। इस आग में फ्रूट मार्केट की चार दुकानें पूरी तरह जलकर खाक हो गईं, जिससे भारी आर्थिक नुकसान होने की प्राथमिक जानकारी सामने आई है। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। पुलिस प्रशासन द्वारा मामले की आगे की जांच की जा रही है।

विश्व महिला दिवस पर मुंबई ग्राहक पंचायत का वार्षिक ग्राहक सम्मेलन का हुआ आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। विश्व महिला दिवस के अवसर पर मुंबई ग्राहक पंचायत के बोईसर-तारापूर विभाग की ओर से वार्षिक ग्राहक सम्मेलन डॉ. होमी भाभा अणुऊर्जा सामुदायिक व बहुउद्देशीय भवन, ग्रामपंचायत कुरगांव (ता. वि. पालघर) में उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुंबई ग्राहक पंचायत के केंद्रीय कार्यकारी मंडल के खजिनदार रविंद्र सहस्त्रबुते ने की।

सम्मेलन में वक्ताओं ने बताया कि मुंबई ग्राहक पंचायत पिछले 50 वर्षों से ग्राहक हितों की रक्षा के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। संस्था का उद्देश्य ग्राहकों को संगठित करना, उनकी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित करना, कृत्रिम टंचाई दूर करना तथा बाजार में अन्नधान्य की कालाबाजारी पर रोक लगाना है। संस्था ग्राहक, उत्पादक और व्यापारी–तीनों के हितों को ध्यान में रखकर कार्य करती है। विशेष बात यह है कि संगठन में लगभग 75 प्रतिशत महिला प्रतिनिधि स्वेच्छा से सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि बोईसर एज्युकेशन सोसायटी के अध्यक्ष व विश्वस्त डॉ. नंदकुमार वर्तक ने अपने संबोधन में परिवार व ग्राहक पंचायत के रिश्तों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ह्न वसुधैव कुटुम्बकम ह्न की भावना से मिलकर कार्य करने पर ही सफलता मिलती है। उन्होंने संगठन से जुड़े लोगों को बनाये रखने के साथ-साथ नए लोगों को जोड़ने पर भी जोर दिया। विश्व महिला दिवस के अवसर पर

डॉ. लीना वर्तक ने महिलाओं के स्वास्थ्य पर मार्गदर्शन देते हुए कहा कि महिलाओं को संतुलित व सात्विक आहार लेना चाहिए और सकारात्मक मन से कार्य करने पर कई बीमारियों से बचा जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि ग्राहक पंचायत में महिलाएं परिवार की जिम्मेदारियों के साथ समाजहित में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। पालघर वितरण केंद्र के कार्याध्यक्ष दीपक भंडारी ने संगठनात्मक कार्य को मजबूत करने के लिए कार्यकताओं की नई फौज तैयार करने और सदस्य संख्या बढ़ाने पर बल दिया। सम्मेलन में विभिन्न ग्राहक संघों के प्रमुख और प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, जिनमें महिलाओं की भागीदारी उल्लेखनीय रही।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में अविनाश राऊत द्वारा कराओके गीतों की प्रस्तुति ने उपस्थित लोगों का मनोरंजन किया। इस अवसर पर कुरगांव ग्रामपंचायत के उपसरपंच उदयन सावे, अजित राणे, विजय झोपे, वर्षा जगदाले, अमिता पाटील, स्नेहल वर्तक सहित अनेक मान्यवर उपस्थित रहे। इसके अलावा बोरिवली विभाग के कार्याध्यक्ष राजेंद्र राणे, नीता जांभेकर, मनीषा पुराणिक तथा पालघर विभाग व वितरण केंद्र से मधुसूदन जोशी, विनय पाटील, सुनंदा तोडणकर, संदेश चुरी, उल्हास चौधरी व वनिता महाडिक भी मौजूद थे। कार्यक्रम का प्रास्ताविक बोईसर-तारापूर विभाग की कार्याध्यक्षा माधुरी वर्तक ने किया। अहवाल वाचन और आभार प्रदर्शन कार्यवाह वैशाली पारवेकर ने किया तथा कार्यक्रम का सूत्र संचालन कोषाध्यक्ष प्रा. संजय घरत ने किया।

मंडल अध्यक्ष अनिल ताटे का प्रयास गार्डन होगा स्वच्छ और सुंदर

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर शहर के अंतर्गत प्रभाग क्रमांक 14 में भाजपा मंडल अध्यक्ष एवं नगर सेविका यशोदा ताई अनिल ताटे द्वारा गार्डन के विकास के लिए पत्र व्यवहार किया गया था जिसमें जरी मरी गार्डन का आज उद्यान विभाग के अधिकारी जयेश पाटिल ने गार्डन का निरीक्षण किया जहां पर अनिल ताटे के साथ पूर्व मंडल अध्यक्ष सी. पी. चौहान, अनिल चव्हाण के साथ मिलकर सभी चीजों का निरीक्षण करने और टूटे हुए झूलों की मरम्मत करने और शेष सभी काम पूरा करने का अधिकारी ने आश्वासन दिया है।

भारतीय जनता युवा मोर्चा के मुंबई अध्यक्ष बने दीपक सिंह

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) मुंबई के तेजतर्रार और सक्रिय महामंत्री दीपक आजाद सिंह को भाजयुमो मुंबई का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी यह नियुक्ति भाजपा मुंबई अध्यक्ष एवं विधायक अमित साटम द्वारा की गई। संगठन के प्रति उनकी ऊर्जा, जमीनी स्तर पर किए गए अथक परिश्रम और समर्पण को सम्मान देते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। मुंबई के धारावी निवासी दीपक सिंह की जन्मभूमि और कर्मभूमि दोनों ही मुंबई रही है। उन्होंने एमबीए तक शिक्षा प्राप्त की है। उन्होंने अपनी राजनीतिक यात्रा की शुरूआत धारावी विधानसभा क्षेत्र में युवा मोर्चा के वॉर्ड महामंत्री के रूप में की थी। इसके बाद संगठन में विभिन्न जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए उन्होंने मुंबई युवा मोर्चा के महामंत्री के रूप में भी अहम भूमिका निभाई। अब उन्हें मुंबई अध्यक्ष की नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने सामाजिक सेवा, स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, युवा सशक्तिकरण, खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने, पार्टी की विचारधारा के प्रचार-प्रसार और जमीनी स्तर पर कार्यकताओं को संगठित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। महाविकास अघाड़ी के शासनकाल में भी उन्होंने वरिष्ठ भाजपा नेताओं के मार्गदर्शन में जनता के मुद्दों को लेकर सड़कों पर उतरकर आवाज बुलंद की। वे केवल कार्यालयों में बैठकर राजनीति करने वाले नेता नहीं, बल्कि जमीन से जुड़े ऐसे नेता हैं जो कार्यकताओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर सक्रिय रूप से संघर्ष करते रहे हैं। प्राकृतिक आपदा

हो या कोई सामाजिक समस्या, दीपक सिंह हमेशा स्वयं आगे बढ़कर लोगों की सहायता के लिए पहुंचे हैं। यही कारण है कि कार्यकताओं और आम जनता के बीच उनकी पहचान एक सरल, सहज और जमीन से जुड़े नेता के रूप में बनी है।

अपनी नियुक्ति पर दीपक सिंह ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस तथा भाजपा मुंबई अध्यक्ष अमित साटम का विशेष धन्यवाद देते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन, प्रोत्साहन और विश्वास के कारण उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है। उन्होंने कहा कि यह पद उनके लिए केवल जिम्मेदारी नहीं बल्कि सेवा का एक नया अवसर है। वे संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, युवाओं को जोड़ने तथा मुंबई और देश के विकास में योगदान देने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे।उन्होंने आगे कहा कि पार्टी ने मुझ जैसे साधारण कार्यकर्ता पर जो विश्वास जताया है, उसे मैं पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाने का प्रयास करूंगा। मेरा लक्ष्य मुंबई के हर युवा तक भाजपा की विचारधारा और सरकार की जनहितकारी योजनाओं को पहुँचाना है।

माजी उपमहापौर विक्रम तरे के आंदोलन के इशारे के बाद नए विद्युत खंभे लगाने का काम शुरू

पुराने सड़े हुए बिजली के खंभे नागरिकों के लिए बन रहे थे खतरनाक

कल्याण (उत्तरशक्ति)। माजी उपमहापौर विक्रम तरे द्वारा दिए गए आंदोलन के इशारे के बाद महावितरण ने सड़े हुए विद्युत खंभों को बदलकर नए खंभे लगाने का काम शुरू कर दिया है। खडेगोलवली प्रभाग के साईबाबा कॉलोनी और महेश कॉलोनी में पुराने और जर्जर हो चुके सीमेंट के बिजली के खंभे नागरिकों के लिए खतरा बन गए थे। ये पुराने बिजली के खंभे बेहद खराब हालत में होने के कारण कभी भी दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई थी। इस संबंध में प्रभाग के माजी नगरसेवक और केडीएमसी के माजी उपमहापौर विक्रम तरे ने कई बार महावितरण विभाग को पत्र लिखकर नए खंभे लगाने की मांग की थी।

लेकिन बार-बार मांग करने के बावजूद अधिकारियों ने इस पर ध्यान नहीं दिया। इसके बाद विक्रम तरे ने आमरण अनशन करने की चेतावनी दी। आंदोलन की चेतावनी के बाद संबंधित विभाग हरकत में आया और

महेश कॉलोनी तथा साईबाबा कॉलोनी क्षेत्र में नए विद्युत खंभे लगाने का काम शुरू कर दिया गया है। इस काम से इलाके में बिजली आपूर्ति अधिक सुरक्षित और सुचारू होने में मदद मिलेगी। साईबाबा कॉलोनी और महेश कॉलोनी क्षेत्र में कुल पांच नए बिजली के खंभे मंजूर किए गए हैं, जिनमें से साईबाबा कॉलोनी में काम की शुरूआत कर दी गई है।

भाजपा जिला सचिव पद पर सत्यप्रकाश सिंह की फिर से हुई नियुक्ति

पालघर(उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी की पालघर जिला इकाई में संगठन को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। पार्टी नेतृत्व ने सामाजिक कार्यकर्ता सत्यप्रकाश सिंह पर एक बार फिर भरोसा जताते हुए उन्हें पालघर जिला सचिव पद की जिम्मेदारी पुनः सौंपी है।

पालघर जिला अध्यक्ष भरत राजपूत के हस्ताक्षर युक्त नियुक्ति पत्र जारी करते हुए कहा गया है कि पार्टी की विचारधारा के साथ ही साथ नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा चलायी जा रही जनकल्याणकारी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए संगठन को और अधिक सशक्त बनाने की आवश्यकता है। इस उद्देश्य को पूरा करने हेतु सत्यप्रकाश सिंह को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

सौंपी गई है। पार्टी नेतृत्व ने विश्वास जताते हुए कहा है कि सत्यप्रकाश सिंह अपने संगठनात्मक अनुभव, सक्रिय कार्यशैली एवं व्यापक जनसंपर्क के माध्यम से पालघर जिले में भाजपा संगठन को और अधिक मजबूत करने का प्रयास करेंगे।

ज्ञात हो कि भाजपा जिला अध्यक्ष भरत राजपूत के सबसे अधिक भरोसेमंद लोगों की सूची में शामिल सत्यप्रकाश सिंह को इससे पहले भी जिला सचिव पद की जिम्मेदारी दी जा चुकी है। संगठन में उनकी सक्रियता, सामाजिक संगठनों में उनकी भागीदारी तथा पार्टी के लिए किये गये कार्यों को देखते हुए उन्हें दोबारा यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। बतादें कि सत्यप्रकाश सिंह वर्तमान में नमो नमो मोर्चा भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा प्रारंभ प्रतिष्ठा के संस्थापक अध्यक्ष के रूप में भी सामाजिक एवं संगठनात्मक कार्यों में लंबे समय से सक्रिय हैं। पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने सत्यप्रकाश सिंह पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में पालघर जिले में पार्टी को नई मजबूती मिलेगी तथा पार्टी की नीतियों व योजनाओं को जन - जन तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।

9 मार्च से नए ऑटो रिक्शा लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक

तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मुंबई महाराष्ट्र में यातायात जाम को रोकने और शहरी प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए, परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने घोषणा की है कि राज्य भर में नए ऑटो रिक्शा के लाइसेंस जारी करना 9 मार्च से निलंबित किया जा रहा है। हालांकि, मंत्री सरनाईक ने बताया कि नए ऑटो रिक्शा के लाइसेंस जारी करने के मानदंडों के संबंध में राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में निर्णय लिया जाएगा और तदनुसार आगे के निर्णय लिए जाएंगे।

मंत्री सरनाईक ने कहा कि भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने महाराष्ट्र सरकार को स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार इस संबंध में निर्णय लेने की सलाह दी है, और स्पष्ट किया कि महाराष्ट्र में 5 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में ऑटो रिक्शा लाइसेंस के संबंध में निर्णय लेने का अधिकार राज्य सरकार के पास है।

केंद्र सरकार ने यह जानकारी कार्यालय द्वारा जारी अनुस्मारक के माध्यम से दी है, क्योंकि महाराष्ट्र परिवहन विभाग ने इस संबंध में केंद्र सरकार को पत्र लिखा था। इसमें यह भी कहा गया है कि मोटर वाहन

(संशोधन) अधिनियम, 2019 के तहत राज्य सरकारों को परिवहन व्यवस्था को विनियमित करने के लिए आवश्यक लचीलापन दिया गया है। मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 67(3) राज्य सरकारों को यात्रियों और माल के परिवहन के लिए लाइसेंसों में परिवर्तन करने और विभिन्न योजनाओं को लागू करने का अधिकार देती है। केंद्र ने स्पष्ट किया है कि इन शक्तियों का प्रयोग करके राज्य सरकारें अंतिम मील कनेक्टिविटी में सुधार और यातायात जाम को कम करने के लिए आवश्यक उपाय कर सकती हैं।

इसके साथ ही, कई जगहों पर ऑटो रिक्शा लाइसेंस जारी करने के संबंध में हमें शिकायतें मिली हैं कि कुछ लाइसेंस अवैध रूप से बांग्लादेशी नागरिकों को जारी किए गए हैं।

अब तक राज्य भर में लगभग 14 लाख ऑटो रिक्शा लाइसेंस जारी किए जा चुके हैं। इसलिए, केंद्र सरकार ने राज्य सरकारों को सलाह दी है कि वे महाराष्ट्र के बड़े शहरों में स्थानीय परिस्थितियों और परिवहन आवश्यकताओं के अनुरूप ऑटो रिक्शा लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया को उचित ढंग से संभालें। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि सरकार राज्य के नागरिकों को बेहतर और आसान परिवहन सुविधाएं प्रदान करने के लिए जल्द ही आवश्यक नीतिगत फैसलों पर विचार करेगी।

दानशूर करंदीकर परिवार के सहयोग से दांडेकर महाविद्यालय में विस्तारित विधि भवन का हुआ भूमिपूजन

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर स्थित सोनोपंत दांडेकर शिक्षण मंडली द्वारा संचालित आत्माराम जनार्दन करंदीकर विधि महाविद्यालय तथा वासुदेव आत्माराम करंदीकर स्नातकोत्तर अध्ययन केंद्र की नई विस्तारित इमारत का भूमिपूजन रविवार, 8 मार्च 2026 को पारंपरिक विधि-विधान और पूजा-अर्चना के साथ सम्पन्न हुआ। यह भवन निर्माण दानशूर करंदीकर परिवार के उदार आर्थिक सहयोग से किया जा रहा है।

भूमिपूजन का शुभ कार्य करंदीकर परिवार के सदस्य एड. प्रकाश वासुदेव करंदीकर, अजीत वासुदेव करंदीकर, शुभांगी प्रकाश करंदीकर, शिशिर अजीत करंदीकर व पूजा करंदीकर के हाथों सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर करंदीकर परिवार के सदस्य, रिश्तेदार और मित्र बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सोनोपंत दांडेकर शिक्षण मंडली के अध्यक्ष सी.ए. सचिन कोरे

ने करंदीकर परिवार द्वारा विधि भवन के निर्माण हेतु दिए गये उदार आर्थिक सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विधि शिक्षा के विकास के लिए करंदीकर परिवार का यह योगदान अत्यंत सराहनीय और प्रेरणादायक है। नई इमारत बनने के बाद विद्यार्थियों को अपने ही परिसर में आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएँ उपलब्ध होंगी, जिससे क्षेत्र में विधि शिक्षा को नई दिशा और मजबूती मिलेगी। करंदीकर परिवार की ओर से एड. प्रकाश करंदीकर ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सोनोपंत दांडेकर शिक्षण मंडली लंबे समय से शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही है। समाज के सामान्य और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के विद्यार्थियों को पालघर में ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो सके, विशेषकर विधि शिक्षा के क्षेत्र में उन्हें बेहतर अवसर मिलें–इसी उद्देश्य से परिवार ने नई इमारत के निर्माण में आर्थिक सहयोग देने का निर्णय लिया है।

द सर्कल इंडिया का प्रोजेक्ट रीइन्वेंशन 2026

मुंबई। द सर्कल इंडिया ने प्रोजेक्ट रीइन्वेंशन 2026 के तहत बोरीवली की शिखा एकेडमी में 300 से ज्यादा एजुकेटर्स, एंटरप्रेन्योर्स, पॉलिसीमेकर्स और युवा लीडर्स के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया। यह राष्ट्रीय स्तर की बैठक तीन दिन चली। इस दौरान इस बात पर फिर से सोचने पर फोकस किया गया कि तेजी से हो रहे तकनीकी और सामाजिक बदलावों के सामने भारत के लर्निंग सिस्टम को किस तरह बदलने की आवश्यकता है। ऐसे समय में जब पूरे देश में एजुकेशन सिस्टम टेक्नोलॉजी में रुकावट और सीखने में बढ़ती असमानताओं से जूझ रहे हैं, इस बैठक ने बातचीत, प्रयोग और अलग-अलग सेक्टरों के बीच सहयोग की आवश्यकता को महत्व दिया। तीन दिनों तक चले इस प्रोग्राम में टीच फॉर इंडिया, टीच फॉर ऑल, अफ्रीकन लीडरशिप एकेडमी, रिवरसाइड स्कूल, एक्यूमेन एकेडमी और पोर्टलैंड स्टेट यूनिवर्सिटी के लीडर्स शामिल थे, जो ग्लोबल रिसर्च को लोकल प्रैक्टिस से जोड़ने की इस कार्यक्रम की कोशिश को दिखाते हैं। द सर्कल इंडिया के फाउंडर और सीईओ संदीप राय ने कहा, प्रोजेक्ट रीइन्वेंशन का मकसद मिलकर मुश्किल सवाल पूछना है। पूरे भारत में एजुकेटर पहले से ही सीखने के नए तरीकों के साथ प्रयोग कर रहे हैं – क्लासरूम में, कम्युनिटी में और नई टेक्नोलॉजी के जरिए। इस बैठक ने उस काम को पहचाना और ऐसे आइडिया को तेजी देने की आवश्यकता को उजागर किया जो छोटे-मोटे सुधार से आगे बढ़ते हैं। तीन दिनों तक आयोजित इस कार्यक्रम के सेशन में कम्युनिटी-बेस्ड एजुकेशन, सीखने में लीडरशिप, बच्चों के लिए फिलॉसफी, आर्ट्स-इंटीग्रेटेड पेडागॉजी और क्लासरूम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती भूमिका जैसे विषयों पर बात की गई। वर्कशॉप, इंस्टॉलेशन और पार्टिसिपेटरी लैब्स मुख्य बातचीत के साथ-साथ चले, जिससे पार्टिसिपेंट्स बातचीत और इनोवेशन के जीते-जागते उदाहरणों के बीच आगे बढ़ सके।

टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस ने लॉन्च किया शुभ फ्लेक्सी पेंशन प्लान: मार्केट-लिंक्ड ग्रोथ के साथ आजीवन गारंटीड आय

मुंबई/पटना। कल्पना कीजिए एक ऐसी रिटायरमेंट की जहाँ आपको इस बात की कोई चिंता न हो कि पैसा खत्म हो जाए तो क्या होगा–एक ऐसा बुढ़ापा जहाँ आपकी बचत न केवल आपको स्थिरता दे, बल्कि महंगाई के साथ बढ़ती भी रहे ताकि आपकी लाइफस्टाइल वैसी ही बनी रहे। टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस ने 'शुभ फ्लेक्सी पेंशन प्लान' के साथ इस सपने को सच कर दिया है। यह एक ऐसा समाधान है जो आपको आत्मविश्वास, लचीलापन और पूरी आर्थिक सुरक्षा के साथ रिटायर होने में मदद करता है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

होली आपसी सौहार्द एवं सामाजिक समरसता का प्रतीकः डॉ.रागिनी सोनकर

मछलीशहर की सपा विधायक के नदियांव स्थित कार्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस एवं होली मिलन समारोह का आयोजन

महिलाओं ने फूलों की होली खेल कर दिया सामाजिक समरसता का संदेश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस एवं होली मिलन समारोह रविवार की देर शाम मछलीशहर की सपा विधायक डॉ. रागिनी सोनकर के नदियांव स्थित कार्यालय में धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में भारी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया और फूलों की होली खेलकर उत्सव मनाया। कार्यक्रम में महिलाओं की भागीदारी विशेष रूप से देखने को मिली। महिलाएं एक-दूसरे को गुलाल लगाकर और फूलों की होली खेलकर उत्सव के रंग में सराबोर नजर आईं। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का संदेश दिया।कार्यक्रम के अंत में सभी लोगों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और उत्सव को यादगार बनाया।

मुख्य अतिथि विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने कहा कि होली का पर्व आपसी एकता, प्रेम और समरसता का प्रतीक है। ऐसे त्योहार समाज में लोगों के बीच की दूरियों को समाप्त कर आपसी भाईचारे की भावना को मजबूत करते हैं।

उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और क्षमता का प्रदर्शन कर रही हैं। समाज और देश के विकास में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना हम सभी की जिम्मेदारी है। पूर्व मंत्री राज नारायण बिंद ने कहा कि होली जैसे पर्व देश के नागरिकों को एकजुट रहने की सीख देते हैं। पूर्व प्रमुख अभिमन्यु यादव ने भी संबोधित किया। संचालन विधानसभा अध्यक्ष सूर्यभान यादव ने किया। मौके पर पूर्व विधायक कैलाश नाथ सोनकर, पूर्व प्रमुख अशोक यादव, प्रधान तेज बहादुर यादव समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

होली भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण पर्व है: कृपाशंकर सिंह

होली मिलन में उडे गुलाल, फूलों की पंखुड़ियां, बिखरे सौहार्द के रंग

आदर्श तिवारी के फगुआ गीतों का बांधा समां

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के सिद्धार्थ उपवन में कृपाशंकर सिंह मित्र मंडली द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में अतिथियों का स्वागत पूर्व गृहराज्यमंत्री व पूर्व लोकसभा प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह ने रंग बिरंगे गुलाल लगाकर किया और होली पर्व की परंपरा के अनुरूप एक-दूसरे पर फूलों की पंखुडियां फेंककर होली की बंधाईयां दी। होली मिलन समारोह को संबोधित करते हुए कृपाशंकर सिंह ने कहा कि होली का पर्व समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव और एकता को मजबूत करने का अवसर देता है। उन्होंने लोगों से सामाजिक समरसता बनाए रखने और मिलजुलकर त्योहार मनाने की अपील की। होली भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण पर्व है, जो लोगों को आपसी मतभेद भुलाकर एक-दूसरे के करीब लाने का काम करता है।

कार्यक्रम में लोकगीत कलाकार आदर्श तिवारी ने होली गीतों को एक से बढ़कर एक गा कर समां बांधे रखा,फगुवा गीतों ने लोगो को झूमने पर विवश कर दिया तो वही पूर्व विधायक सुषमा पटेल विधायक रमेश मिश्र, सुनीता सिंह ने फगुवा गीत होली खेला रघुवीरा गाकर होली मिलन कार्यक्रम में चार चांद लगा दिया।

विधायक रमेश मिश्रा ने कहा कि फागुन का महीना में प्रकृति और सामाजिक प्राणी मदमस्त रहते है , सुषमा पटेल ने कहा की होली जीवन को सामूहिक रूप से आनंदित बनाने का उत्सव है।

इस मौके पर, बदलापुर विधायक रमेश चंद्र मिश्रा, पूर्व विधायक सुषमा पटेल, डॉ. हरेंद्र सिंह, लीना तिवारी, विद्यासागर सोनकर, पूर्व मंत्री जगदीश सोनकर, दिनेश चौधरी, मुकेश सिंह, भाजपा प्रवक्ता ओमप्रकाश सिंह, सुनीता सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति, पुष्पराज सिंह, सुशील मिश्रा, डी सी एफ धनंजय सिंह, शशि मोहन सिंह, रत्नाकर सिंह, विवेक सिंह राजा, कुंवर जय सिंह, दुष्यंत सिंह , वीरेंद्र सिंह, राहुल सिंह, सजल सिंह, धीरू सिंह, अंजना सिंह, अंजना श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, राजेश उपाध्याय, श्याम राज सिंह, मनोज अग्रहरि, विनोद अग्रहरि, रविन्द्र सिंह, बृजेश यादव, डॉ.इम्तियाज अहमद उप सम्पादक उत्तरशक्ति न्यूज, शब्बीर हैदर अम्मार सम्पादक, शुभम कुमार यादव समेत हजारों लोग रहे कार्यक्रम का संचालन सलमान शेख ने किया। आभार कृपाशंकर सिंह ने व्यक्त किया।

तेज रफ्तार डीसीएम ट्रक बना काल, हेलमेट न होने से युवक की मौत

रामकुमार गुप्ता

रेणुकूट,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। बभनी थाना क्षेत्र के बभनी-रेणुकूट मार्ग पर रविवार शाम संवरा गांव के पास एक भीषण सड़क हादसे में 22 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। तेज रफ्तार डीसीएम ट्रक और बाइक की आमने-सामने टक्कर में युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान चपकी गांव निवासी शुभम जायसवाल (22 वर्ष) पुत्र शिवशरण जायसवाल के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि शुभम अपनी बाइक से रेणुकूट की ओर जा रहा था। जैसे ही वह संवरा गांव के पास पहुंचा, विपरीत दिशा से आ रहे अनियंत्रित डीसीएम ट्रक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि शुभम गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक ने हेलमेट नहीं पहना था, जिसके कारण उसके सिर में गंभीर चोटें आईं। सूचना मिलते ही बभनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बभनी भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक दिन्नु प्रसाद यादव ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त डीसीएम ट्रक को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है तथा मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

पेड़ से लटकता मिला विधवा महिला का शव, आत्महत्या की आशंका

रेणुकूट,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। पिपरी थाना क्षेत्र के रेणुकूट पुलिस चौकी अंतर्गत मुरधावा मोड़ हाईटेक कॉलोनी से कुछ दूरी पर बिजपुर मार्ग के किनारे जंगल में एक विधवा महिला का शव पेड़ से फांसी के फंदे से लटकता हुआ मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार खारपत्थर मुरधवा की लगभग 42 वर्षीय विधवा महिला ने अपनी ही साड़ी से पेड़ के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सोमवार को जब लोगों की नजर पेड़ से लटक रहे शव पर पड़ी तो इलाके में हड़कंप मच गया और मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना मिलते ही रेणुकूट चौकी इंचार्ज पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार महिला की पहचान खारपत्थर क्षेत्र की निवासी के रूप में हुई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए दुद्धी भेज दिया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और आत्महत्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

कदम रसूल मस्जिद में तरावीह के दौरान कुरआन मुकम्मल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रमजान के पवित्र महीने में शहर स्थित कदम रसूल मस्जिद में तरावीह की नमाज के दौरान हाफिज अब्दुल्लाह खान ने कुरआन-ए-पाक मुकम्मल किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में नमाजी मौजूद रहे और मुल्क में अमन-चैन, भाईचारे व तरक्की के लिए विशेष दुआएं की गईं। कुरआन मुकम्मल होने पर नमाजियों ने हाफिज अब्दुल्लाह खान को मुबारकबाद दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एक-दूसरे को रमजान की बधाई दी

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया डॉ.मोहम्मद नासिर खान का जन्मदिन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मदर टेरेसा फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं समाजवादी बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय महासचिव तथा भारत प्रेस क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मोहम्मद नासिर खान का जन्मदिन बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर उनके परिजनों, समर्थकों और शुभचिंतकों ने उन्हें जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की। शुभचिंतकों ने कहा कि डॉ. नासिर खान सामाजिक कार्यों और जनसेवा के लिए हमेशा सक्रिय रहते हैं तथा समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए निरंतर प्रयास करते रहते हैं। उनके नेतृत्व में कई सामाजिक और जनकल्याणकारी कार्य भी संचालित किए जा रहे हैं। इस मौके पर लोगों ने अल्लाह से उनकी लंबी उम्र, बेहतर सेहत और समाज सेवा के कार्यों में निरंतर सफलता की दुआ की। जन्मदिन की बधाई देने वालों में रियाजुल हक, शब्बीर हैदर अम्मार, शशिकांत मौर्य, गार्गी यादव, गुड़िया बिंद, शमा परवीन, शुभम कुमार यादव, जितेन्द्र कन्नौजिया, सुशील कुमार गुप्ता, कलीम सिद्दीकी, आफताब आलम, निशानाथ, विशाल सोनी, हारून, मो. जावेद, डॉ. एस. के. मिश्र सहित अन्य लोग शामिल रहे।

शेरशाह सूरी और अखिलेश यादव विकास के प्रतीकः अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लखनऊ समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव व जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि भारत के इतिहास में विकास, सुशासन और जनकल्याणकारी नीतियों के लिए शेरशाह सूरी का नाम सम्मान के साथ लिया जाता है। उसी प्रकार आधुनिक उत्तर प्रदेश की राजनीति में विकास, सामाजिक न्याय और सर्वधर्म समभाव की नीति को आगे बढ़ाने का कार्य अखिलेश यादव की सरकार ने किया है।

उन्होंने कहा कि शेरशाह सूरी ने अपने अल्पकालीन शासन में प्रशासनिक सुधार, सड़क निर्माण, न्याय व्यवस्था और राजस्व प्रणाली में ऐतिहासिक बदलाव किए। ग्रैंड ट्रंक रोड का निर्माण और विस्तार, सराय व कुओं की व्यवस्था, डाक प्रणाली को मजबूत करना तथा रुपया मुद्रा व्यवस्था को व्यवस्थित रूप देना उनके प्रमुख कार्यों में शामिल हैं।

अरशद खान ने कहा कि इसी तरह समाजवादी पार्टी की सरकार में मुख्यमंत्री रहे अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों की शुरूआत की। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, लखनऊ मेट्रो, 108 और 102 एम्बुलेंस सेवा का विस्तार, समाजवादी पेंशन योजना, लैपटॉप वितरण योजना और कन्या विद्याधन योजना जैसे कदमों से प्रदेश में विकास और जनकल्याण को बढ़ावा मिला।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार ने बिना किसी भेदभाव के सर्वधर्म समभाव और सामाजिक न्याय की नीति पर काम किया। प्रदेश की जनता विकास, शिक्षा, रोजगार और भाईचारे की राजनीति को मजबूत करना चाहती है और आने वाले समय में फिर से विकास की राजनीति को आगे बढ़ाने का निर्णय करेगी।

होली के बाद मेडिकल कॉलेज में बढ़ी मरीजों की भीड़, रोजाना 3000 से अधिक ओपीडी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में होली के बाद मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। प्रतिदिन ओपीडी में लगभग 3000 से अधिक मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। दूर-दराज के गांवों और कस्बों से आने वाले मरीजों की लंबी कतारें यह दशार्ती हैं कि जिले की बड़ी आबादी अपनी स्वास्थ्य सेवाओं के लिए मेडिकल कॉलेज पर भरोसा कर रही है। यहां आने वाले मरीजों को चिकित्सकों द्वारा लाइनबद्ध तरीके से उपचार और आवश्यक परामर्श दिया जा रहा है। मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो. आर.बी. कमल ने ओपीडी और इमरजेंसी वार्ड का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मरीजों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण में अधिकांश व्यवस्थाएं सुचारु पाई गईं, जबकि कुछ छोटी कमियों को लेकर संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। प्रधानाचार्य ने कहा कि मरीजों की सेवा मेडिकल कॉलेज की सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने चिकित्सकों और कर्मचारियों से मरीजों के प्रति संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की अपील की। उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेज में ओपीडी और इमरजेंसी सेवाएं पूरी तरह संचालित हैं और सभी प्रकार के मरीजों का इलाज किया जा रहा है। साथ ही जल्द ही यहां ऑपरेशन थिएटर (ओटी) की सुविधा भी शुरू होने जा रही है, जिससे जिले के लोगों को और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी।

अनपरा पुलिस ने 4 वारण्टी को किया गिरफ्तार

सोनभद्र(उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के मार्गदर्शन में थाना अनपरा पुलिस द्वारा दिनांक 09.03.2026 को विभिन्न मामलों से सम्बन्धित कुल 04 नफर वारण्टी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर मा० न्यायालय भेजा गया।

गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण- 01. संजय गुप्ता पुत्र धनपाल गुप्ता निवासी चावलमंडी अनपरा बाजार थाना अनपरा जनपद सोनभद्र। 02. सिप्रियानुस पुत्र बेनेतीव निवासी बजरंगनगर थाना अनपरा जनपद सोनभद्र।03. दशरथ गुप्ता पुत्र स्व० जनकधारी गुप्ता निवासी डिबुलगंज थाना अनपरा जनपद सोनभद्र। 04. सोनु पुत्र मोधे पनिका निवासी बेनादह थाना अनपरा जनपद सोनभद्र।

पुलिस टीम का विवरण- 01. प्रभारी निरीक्षक सत्येन्द्र कुमार राय थाना अनपरा जनपद सोनभद्र मय टीम। 2. उ0नि0 संतोष कुमार सिंह थाना अनपरा जनपद सोनभद्र मय टीम।

गड्ढायुक्त सड़क पर पलटा ई-रिक्शा, बाल-बाल बचे यात्री

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर के कुतुबपुर क्षेत्र में कृति कुंज स्थित मारुति सुजुकी एजेंसी के सामने गड्ढों से भरी सड़क पर एक ई-रिक्शा पलट गया। हादसे में सवार यात्री बाल-बाल बच गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढों में पानी भर जाने से वह झील जैसी दिखाई दे रही थी। इसी दौरान वहां से गुजर रहा ई-रिक्शा असंतुलित होकर पलट गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें सड़क की बदहाल स्थिति साफ देखी जा सकती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस गड्ढायुक्त सड़क के कारण यहां आए दिन हादसे होते रहते हैं, लेकिन संबंधित विभाग द्वारा अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से सड़क की जल्द मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

वाराणसी-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर ट्रक की टक्कर से कार क्षतिग्रस्त, बाल-बाल बचा चालक

शुभम कुमार यादव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना बक्शा क्षेत्र में वाराणसी-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। लखौवा से अलीगंज बाजार जाने वाले तिराहे के पास करीब सुबह 9:45 बजे एक मारुति सुजुकी कार को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि कार चालक इस हादसे में बाल-बाल बच गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार अलीगंज बाजार की ओर से आ रही थी और वाराणसी की तरफ मुड़ रही थी। इसी दौरान वाराणसी की दिशा से तेज गति से आ रहा एक ट्रक कार से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही बक्शा थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और क्षतिग्रस्त कार को सड़क किनारे कराकर यातायात को सामान्य कराया।

बताया जा रहा है कि टक्कर के बाद ट्रक चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। पुलिस कार चालक से जानकारी लेकर अज्ञात ट्रक चालक की तलाश में जुट गई है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच की जा रही है ताकि फरार ट्रक की पहचान की जा सके। स्थानीय लोगों के अनुसार दुर्घटनाग्रस्त कार पर भारत सरकार का लोगो भी लगा हुआ था, जिससे यह अंदेशा जताया जा रहा है कि वाहन किसी सरकारी कर्मचारी का हो सकता है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हो पाई है।

फिलहाल पुलिस कार चालक की तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई में जुटी है। स्थानीय लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण और यातायात व्यवस्था को सख्त करने की मांग की।

बेसमेंट में भर्ती, ऑपरेशन के नाम पर वसूली! अवैध अस्पतालों पर सवाल

फर्जी डॉक्टरों का नेटवर्क! ऑपरेशन और भर्ती के नाम पर चल रहा खेल

फर्जी रजिस्ट्रेशन के सहारे चल रहे अस्पताल, फिजियोथेरेपिस्ट कर रहा संचालन

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर और आसपास के क्षेत्रों में अवैध तरीके से संचालित हो रहे अस्पतालों और नर्सिंग होम का मामला लगातार सामने आ रहा है। कई जगहों पर अस्पतालों का रजिस्ट्रेशन किसी एमबीबीएस डॉक्टर के नाम पर है, लेकिन संचालन झोलाछाप डॉक्टर और गैर-प्रशिक्षित लोग कर रहे हैं। इससे मरीजों की जान जोखिम में पड़ रही है। हाल ही में क्षेत्र के बड़ागांव स्थित एक अस्पताल का मामला सामने आया, जहां फर्जी रजिस्ट्रेशन के सहारे एक ही नाम से दो अस्पताल संचालित किए जा रहे थे। आरोप है कि एक फर्जी डॉक्टर द्वारा किए गए ऑपरेशन के बाद एक महिला की मौत भी हो गई थी। इसके बाद भी स्वास्थ्य विभाग की ओर से ठोस कार्रवाई नहीं होने से लोगों में नाराजगी है।

इसी तरह नगर के कई नर्सिंग होम और अस्पतालों में भी स्थिति कुछ ऐसी ही बताई जा रही है। रजिस्ट्रेशन तो किसी एमबीबीएस डॉक्टर के नाम पर होता है, लेकिन अस्पताल का संचालन पूरी तरह से झोलाछाप डॉक्टरों के हाथों में होता है। नगर के पुरानी बाजार स्थित एक गली में एक फिजियोथेरेपिस्ट द्वारा पूरे अस्पताल का संचालन किए जाने का मामला भी चर्चा में है। बताया जाता है कि कई बार स्वास्थ्य विभाग की ओर से उक्त संचालक को नोटिस भी जारी किया गया, लेकिन विभागीय शिथिलता के चलते हर बार वह कार्रवाई से बच निकलता है।

आरोप है कि उक्त फिजियोथेरेपिस्ट मरीजों को अस्पताल के बेसमेंट में भर्ती कर भारी-भरकम शुल्क वसूलता है। इतना ही नहीं, खुद को हड्डी का डॉक्टर बताकर मरीजों को ऑपरेशन के नाम पर भर्ती भी कर लेता है। कई बार वह खुद ही ऑपरेशन करने की कोशिश करता है, जबकि कुछ मामलों में नगर के ही एक सर्जन डॉक्टर को केस सौंपकर मोटा कमीशन लेने की बात भी सामने आ रही है।

फर्जी डिग्री और भ्रामक पोस्टरों से मरीजों को किया जा रहा गुमराह

नगर में कुछ ऐसे भी अस्पताल और क्लीनिक संचालित हो रहे हैं, जहां फर्जी रेडियोलॉजिस्ट के नाम के पोस्टर लगाकर मरीजों को भर्ती किया जाता है। कई जगहों पर डॉक्टरों की एमबीबीएस डिग्री तक संदिग्ध बताई जा रही है। इतना ही नहीं, कुछ संचालक अपने बोर्ड और पोस्टरों पर खुद को हृदय रोग विशेषज्ञ (कार्डियोलॉजिस्ट) बताकर प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि संबंधित विभाग सब कुछ जानते हुए भी चुप्पी साधे हुए है। यदि समय रहते ऐसे अस्पतालों और क्लीनिकों पर कार्रवाई नहीं हुई तो इसका खामियाजा गरीब और मजबूर मरीजों तथा उनके तीमारदारों को ही भुगतना पड़ेगा। लोगों ने प्रशासन से इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर डॉ.अंजना सिंह के विचार

इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस या नवरात्रि के नौ दिन नारी के विभिन्न रूपों का गुणगान करने से आप नहीं थकते। किसी सभा, वाद-विवाद या अन्य कार्यक्रमों में महिला सशक्तिकरण, नारी सम्मान जैसे शब्द भी समुद्री लहरों की तरह खूब हिचकोले खाते हैं। यह सब तो सामाजिक और सार्वजनिक मंच कही बातें हुई, लेकिन अगर बात सिर्फ स्वयं से स्वयं की, की जाए तो एक बार जरूर सोचकर जवाब दीजिए कि क्या आप नारी का सम्मान करते हैं। भले ही आप हां कहें, भले ही आप सम्मान करते हों, भले ही आपको भी लगता हो कि आप औरतों का सम्मान करते हैं, क्योंकि आपने कभी किसी महिला का अपमान नहीं किया लेकिन, केवल हां कह भर देने से कैसे यह पुष्टि हो सकती है, इसके लिए तो आपको अपने कृत्यों पर पैनी नजर रखनी होगी। जी हां, आपकी छोटी-छोटी बातें या हरकतें महिलाओं का

क्या आप करते हैं नारी का सम्मान

सम्मान कम करने या बढ़ाने में अहम भूमिका निभाती हैं। यदि आपका इन बातों पर कभी ध्यान नहीं गया, तो यहां दिए जा रहे हैं कुछ सामान्य से सवाल, जिनके लिए आपका हर जवाब तय करेगा, महिलाओं के प्रति आपकी भावना क्या किसी बस, ट्रेन या सार्वजनिक स्थल पर खड़ी महिला को सीट देने के लिए आप पहल करते हैं, या फिर आप अपनी सीट पर बैठे-बैठे उन्हें परेशान होता देखना पसंद करते हैं। क्या आप किसी महिला को उसके अच्छा या

बुरा दिखने पर घूर-घूरकर ऊपर से नीचे तक बार-बार देखते हैं, या एक बार नजर देखने के बाद दूसरी बार ऐसा नहीं करते। किसी महिला की गलती होने पर आप उससे बत्तमीजी से बात करते हैं, या सामान्य तरीके से उसे समझाने का प्रयास करते हैं। सड़क पार कर रही, या वहां से गुजर रही महिला या किशोरी पर क्या आप अच्छा या बुरा कमेंट करते हैं, या सहयोगात्मक रवैया जताकर उसे निकलने के लिए रास्ता देते हैं ।क्या महिलाओं की निजता से जुड़ी किसी बात पर आप अकेले में या समूह में खिसियाकर अपनी हंसी छुपाने का प्रयास करते हैं। क्या आपने कभी महिला या किसी युवती को अवांछित रूप से छूने का प्रयास किया है? अपने अनुसार परिस्थि?ति न बनने या आपकी बात न मानने पर आप महिलाओं के चरित्र को लेकर सवाल उठाते हैं। कुछ स्थि?तियों में क्या आप महिलाओं की मदद सिर्फ इसलिए करते हैं, कि आपको उन पर दया आ रही हो। क्या आप अपने घर में या बाहर महिलाओं के लिए अपशब्द या गाली का प्रयोग करते हैं, या फिर उनपर हथ उठाते का प्रयास करते हैं

क्या आप महिलाओं को केवल उसकी देह की दृष्टि से देखते हैं, या फिर उसका अपना कोई व्यक्तित्व और अस्तित्व है इस पर यकीन करते हैं। किसी महिला के सफल होने या प्रतिष्ठा और कार्य के मामले में आपसे आगे निकल जाने की स्थिति में आप उसका उत्साहवर्धन करते हैं, या उसका उत्साह कम करने का प्रयास करते हैं।

इन सारे सवालों के सही जवाब आप खुद जानते हैं, लेकिन अगर आपके जवाब, सही जवाबों से मेल नहीं खाते, तो आपको एक बार विचार करने की आवश्यकता है, खुद के लिए,कि क्या आप सच में नारी का सम्मान करते हैं।

ग्राम सैदानी के पूर्व प्रधान महाजन ने उत्तरशक्ति के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा से की शुभेच्छा भेंट

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद जौनपुर ग्राम रोहियांव सैदानी के पूर्व ग्राम प्रधान महाजन यादव व दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के पत्रकार आदित्य मिश्रा व शशिकांत मिश्रा दिनांक 9 मार्च 2026 को दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा का हालचाल और स्वस्थ के बारे जानकारी लेने उनके आवास जनपद जौनपुर विकास खंड मछली शहर, पोस्ट पवारा बाजार पहुंचने पर दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा से शुभेच्छा भेंट की। दिनांक 2 फरवरी 2026 को पैर और कमर में फ्रेक्चर होने के कारण तत्काल मुंगरा बादशाहपुर रुची अस्पताल में लाया गया। जहां से डॉ दीपक चौरसिया ने हालात को देखते हुए प्रयागराज रेफर कर दिया। प्रयागराज के प्रीती नर्सिंग होम में दिनांक 5 फरवरी को डॉ प्रमोद कुमार सिंह (पी के सिंह) आर्थो सर्जन ने सफल आप्रेशन किया। उनके स्वास्थ्य संबंधी जानकारी लेने पहुंचे पूर्व प्रधान महाजन यादव, पत्रकार आदित्य मिश्रा, सतना से शशिकांत मिश्रा भी साथ में पहुंचे और प्रेम चंद मिश्रा का हालचाल जाना तथा शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करें ईश्वर से प्रार्थना की ।

हिंडाल्को रेणुकूट में सुरक्षा सप्ताह के दौरान बीबीएसओ प्रतियोगिता आयोजित

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के रेणुकूट संयंत्र में सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत सोमवार को ट्रेनिंग सेंटर में संविदाकार श्रमिकों के लिए व्यावहारिक सुरक्षा बीबीएसओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में संविदाकार श्रमिकों की कुल चार टीमों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन सैफुल्ला खालिद ने किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में प्रदीप्ता मिश्रा, बनोज पंडा, तपन पाल, सुरेश शुक्ला और सुनील मिश्रा शामिल रहे। प्रतियोगिता में मेसर्स अनीता स्क्रैप के सुरेश शर्मा ने प्रथम स्थान, मेसर्स अनीता स्क्रैप के सुनील कुमार शाह ने द्वितीय स्थान तथा मेसर्स चंद्रा इलेक्ट्रिकल के सुनील यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में बनोज पंडा ने विजेता प्रतिभागियों की घोषणा की, जबकि राजेंद्र प्रसाद ने सभी प्रतिभागियों और उपस्थित अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों और संविदा श्रमिकों ने प्रतियोगियों का उत्साहवर्धन किया।

चौकियां धाम के तालाब में डूबने से किशोर की मौत

इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मां शीतला चौकियां धाम में सोमवार सुबह करीब 11 बजे तालाब में डूबने से एक किशोर की मौत हो गई। घटना से मंदिर परिसर में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक कमलदीप (16) पुत्र संतोष कश्यप निवासी दीवानगंज पट्टी, जनपद प्रतापगढ़ का रहने वाला था। वह अपने मित्र अमित कश्यप पुत्र बिहारी लाल निवासी सतहरिया थाना मुंगराबादशाहपुर के साथ दर्शन-पूजन करने चौकियां धाम आया था। दर्शन के बाद दोनों युवक मंदिर के पास स्थित तालाब में नहाने चले गए। बताया जाता है कि तालाब के चारों ओर सुरक्षा रेलिंग लगी होने के बावजूद कमलदीप रेलिंग पार कर गहरे पानी में उतर गया। अधिक गहराई होने के कारण वह डूबने लगा। साथी अमित कश्यप ने शोर मचाया तो आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक वह पानी में डूब चुका था। सूचना मिलने पर स्थानीय युवक अक्षय माली व अन्य युवकों ने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद तालाब से शव को बाहर निकाला। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद मौके पर सैकड़ों लोगों की भीड़ जुट गई और क्षेत्र में शोक का माहौल बन गया।

फसल रौंदकर बिछाई जा रही हाई वोल्टेज लाइन, किसानों का प्रदर्शन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर क्षेत्र के बघन्द्रा सहित करीब 11 किलोमीटर इलाके में बिजली विभाग द्वारा हाई वोल्टेज लाइन बिछाने के दौरान किसानों की फसल रौंदे जाने से आक्रोश फैल गया है। किसानों ने आरोप लगाया कि पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम (शक्ति भवन, लखनऊ) द्वारा भारी मशीनों और ट्रैक्टरों से खेतों में घुसकर खंभे गाड़ने और तार खींचने का कार्य किया जा रहा है, जिससे उनकी लहलहाती फसल पूरी तरह बर्बाद हो रही है। इस मामले को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे शिष्य जज सिंह अन्ना के नेतृत्व में किसानों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी जौनपुर को सौंपते हुए उचित मुआवजे की मांग की है। किसानों का कहना है कि क्षेत्र की अधिकांश जमीन अधिया (बटाई) पर लेकर खेती की जाती है। विभाग केवल जमीन मालिक से बात कर रहा है, जबकि असली आर्थिक नुकसान उस गरीब किसान का हुआ है जिसने मेहनत और लागत लगाकर फसल तैयार की है। ऐसे में मुआवजे में वास्तविक काश्तकारों को भी बराबर का हक दिया जाना चाहिए। किसानों ने यह भी आरोप लगाया कि करीब पांच वर्ष पहले लगाए गए खंभों के मुआवजे की तीन किस्तों में से अब तक केवल एक किस्त ही मिली है। वहीं पिछले तीन महीनों से तार खींचे जाने के बावजूद किसानों को कोई भुगतान नहीं किया गया है। इस कारण विभाग द्वारा भरवाए जा रहे फार्म और मुआवजा प्रक्रिया पर किसानों को भरोसा नहीं रह गया है। ग्रामीणों का कहना है कि स्थानीय लेखपाल और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी के बिना ही विभागीय कर्मचारी नुकसान का आंकलन कर रहे हैं, जिससे कई वास्तविक पीड़ितों के छूट जाने की आशंका बनी हुई है। किसानों ने मांग की है कि उपजिलाधिकारी (सदर) की निगरानी में राजस्व और बिजली विभाग की संयुक्त टीम बनाकर फसल नुकसान का सही आकलन कराया जाए। साथ ही जमीन मालिक और वास्तविक काश्तकार (अधियार) दोनों के बीच मुआवजे का उचित बंटवारा एक माह के भीतर सुनिश्चित किया जाए। किसानों ने चेतावनी दी है कि जब तक फसल नुकसान का पूरा मुआवजा नहीं दिया जाता, तब तक क्षेत्र में तार खींचने का कार्य तत्काल रोका जाए, अन्यथा किसान आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

पूर्व छात्रा अनुराधा त्रिपाठी को मिला मिस कीनाराम अवार्ड

-सुशील कुमार तिवारी

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर संत कीनाराम महिला पीजी कॉलेज में रविवार को महिला सम्मेलन, पूर्व छात्रा मिलन और होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कॉलेज की पूर्व छात्रा अनुराधा पाठक उर्फ अनुराधा त्रिपाठी को मिस कीनाराम अवार्ड से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व छात्राओं के साथ-साथ कॉलेज की वर्तमान छात्राओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं कॉलेज के निदेशक डॉ. गोपाल सिंह ने अनुराधा त्रिपाठी को प्रमाण पत्र, गुलाब के फूलों का ताज और गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया। इसके अलावा अन्य पूर्व छात्राओं को भी प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने के बाद अनुराधा त्रिपाठी ने कहा कि वह निदेशक डॉ. गोपाल सिंह को पिता तुल्य मानती हैं और कॉलेज को अपना मायका समझती हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से पूर्व छात्राओं और वर्तमान छात्राओं के बीच आपसी मेलजोल बढ़ता है और छात्राओं में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम में कॉलेज की प्राचार्य मनु श्री की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि पूर्व छात्रा मिलन समारोह का आयोजन काफी सफल रहा, जिसका सकारात्मक परिणाम भविष्य में देखने को मिलेगा। इस दौरान अनुराधा त्रिपाठी ने होली गीत और चैता गीत प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी छात्राओं ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर आरती पांडेय, शालिनी, अनुपमा, अन्नपूर्णा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

पीयू में जिंदल सॉ लिमिटेड की कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ (सीटीपीसी) द्वारा मैकेनिकल एवं इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों के लिए जिंदल सॉ लिमिटेड की कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन सोमवार को विश्वविद्यालय परिसर में किया गया। इस प्लेसमेंट ड्राइव का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित औद्योगिक संस्थानों में रोजगार के अवसर प्रदान करना तथा उन्हें व्यावसायिक जीवन के लिए तैयार करना था। कार्यक्रम के अंतर्गत कंपनी के प्रतिनिधियों ने सीटीपीसी/इन्क्यूबेशन सेंटर (फामेर्सी भवन) में चयन प्रक्रिया प्रारंभ की। कंपनी की ओर से टीम में उप महाप्रबंधक (मैकेनिकल) मनोज कुमार यादव, वरिष्ठ प्रबंधक (इलेक्ट्रिकल) दीपन कुमार पित्रोदा, प्रबंधक (मानव संसाधन एवं कर्मचारी संबंध) सुरिंदर कुमार तथा सहायक प्रबंधक (मानव संसाधन एवं कर्मचारी संबंध) कुनाल कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत केंद्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. प्रदीप कुमार द्वारा कंपनी से आए प्रतिनिधियों के स्वागत एवं परिचय के साथ हुई। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का प्रयास है कि अधिक से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियाँ परिसर में आकर विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर प्रदान करें। इसके पश्चात कंपनी के प्रतिनिधियों द्वारा जिंदल सॉ लिमिटेड की कार्यप्रणाली, औद्योगिक गतिविधियों, विकास की संभावनाओं तथा कंपनी में उपलब्ध करियर अवसरों के संबंध में विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। चयन प्रक्रिया के अंतर्गत सर्वप्रथम अभ्यर्थियों का ऑनलाइन तकनीकी परीक्षा एवं योग्यता परीक्षा (एप्टीट्यूड टेस्ट) आयोजित किया गया, जिसमें उनके विषयगत ज्ञान, तार्किक क्षमता तथा तकनीकी दक्षता का आकलन किया गया। इसके बाद सफल अभ्यर्थियों का आमने-सामने साक्षात्कार लिया गया, जिसमें उनके व्यक्तित्व, संप्रेषण कौशल तथा व्यावसायिक दृष्टिकोण का मूल्यांकन किया गया।

टी-20 विश्व कप जीत पर काशी में जश्न की लहर,सिगरा चौराहे पर जलेबी बांटकर मनाई खुशी

सुरेश गांधी

वाराणसी। भारतीय क्रिकेट टीम द्वारा टी-20 विश्व कप जीतने की ऐतिहासिक उपलब्धि पर काशी में उल्लास और उत्साह का माहौल देखने को मिला। शहर के प्रमुख चौराहों और बाजारों में देर रात तक जश्न का माहौल बना रहा। सिगरा चौराहे पर वाराणसी व्यापार मंडल के अध्यक्ष अजीत सिंह बग्गा के नेतृत्व में व्यापारियों ने मिठाइयां और गर्मागर्म जलेबी वितरित कर टीम इंडिया की जीत का जश्न मनाया। जैसे ही भारत की जीत की खबर पूरे देश में फैली, वैसे ही काशी में भी खुशी की लहर दौड़ पड़ी। सिगरा चौराहे पर बड़ी संख्या में व्यापारी और स्थानीय लोग एकत्रित हुए। यहां मिठाई और जलेबी बांटकर लोगों ने अपनी खुशी का इजहार किया। कई जगहों पर छोटे पटाखे छोड़े गए और युवाओं ने तिरंगा लहराते हुए ह्लवंदे मातरम्ह्व, ह्लभारत माता की जयह्व और ह्लटीम इंडिया जिंदाबादह्व के जोशीले नारे लगाए। व्यापार मंडल के अध्यक्ष अजीत सिंह बग्गा ने कहा कि यह जीत पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है। पहली बार भारत ने अपने ही घर में विश्व कप जीतकर नया इतिहास रचा है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम के खिलाड़ियों ने जिस जज्बे और उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय दिया है, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेगा। टीम के कप्तान और खिलाड़ियों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि पूरी टीम ने एकजुट होकर खेल का बेहतरीन प्रदर्शन किया और भारत का नाम विश्व पटल पर और ऊंचा किया। जश्न के दौरान लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। शहर के विभिन्न हिस्सों में युवाओं ने ढोल-नगाड़ों के साथ खुशी का इजहार किया। देर रात तक लोग एक-दूसरे को मिठाई खिलाते रहे और देश की इस ऐतिहासिक जीत पर गर्व महसूस करते रहे। कई जगहों पर लोग सड़कों पर निकलकर एक-दूसरे को बधाई देते नजर आए। इस अवसर पर संजय गुप्ता, शरद गुप्ता, खुर्शीद बानो, आरती शर्मा, अंबे सिंह, रामबाबू शिवा, विकास, प्रभाकर सिंह, गौरव, मन्नू यादव और सुनील गुप्ता सहित बड़ी संख्या में व्यापारी और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर टीम इंडिया की इस ऐतिहासिक जीत का जश्न मनाया और देश के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। भारत की इस गौरवपूर्ण जीत ने काशीवासियों के दिलों में उत्साह और देशभक्ति की नई ऊर्जा भर दी। पूरी रात शहर में जश्न का माहौल बना रहा और काशी की गलियों में जीत की खुशी देर तक गूंजती रही।

सदर इमामबारगाह से निकला मातमी जुलूस, गूंजे नौहे और मातम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। हजरत अली इब्न अबु तालिब की शहादत की याद में नगर के बेगमगंज स्थित सदर इमामबारगाह में अकीदतमंदों द्वारा मजलिस व मातमी जुलूस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंजुमन शमशीरे हैदरी के नेतृत्व में निकले जुलूस में बड़ी संख्या में लोगों ने शिरकत कर मौला अली की याद में नौहाख्वानी और मातम किया। मजलिस को खिताब करते हुए मौलाना मोहसिन आगा ने कहा कि मौला अली पूरी इंसानियत के लिए अमन, इंसाफ और बराबरी के अलमबरदार थे। उन्होंने कहा कि मौला अली की जिंदगी हमें सच्चाई, न्याय और कमजोरों की मदद करने का पैगाम देती है। उन्होंने उपस्थित लोगों से अपील की कि वे मौला अली की शिक्षाओं को अपनी जिंदगी में उतारें और समाज में भाईचारा व इंसाफ कायम करने का प्रयास करें। मजलिस के अंत में मौलाना अम्बर अब्बास खान ने तकरीर करते हुए मौला अली के मसाएब का बयान किया। उनके दर्द भरे बयान को सुनकर मजलिस में मौजूद अकीदतमंद गमगीन हो उठे और कई लोग रो पड़े। पूरे इमामबारगाह में या अली और हैदर मौला की सदाएं गूंजती रहीं। मजलिस के बाद मातमी जुलूस बरामद हुआ, जिसमें अलम और शबीहे ताबूत मौला अली निकाले गए। जुलूस के साथ अंजुमन शमशीरे हैदरी के अकीदतमंदों ने नौहाख्वानी और सीना-जनी कर शहादत का गम मनाया। जुलूस के दौरान पूरे क्षेत्र का माहौल गमगीन रहा। इस मौके पर नौशाद हुसैन, संजय, अली मंजर, चुनमुन भाई, बबलू, रिजवान, दिलदार हुसैन, नाजिम हुसैन, मुमताज, मोहर्रम अली, महफूज सहित बड़ी संख्या में अकीदतमंद मौजूद रहे। जुलूस का संचालन फैजी जौनपुरी ने किया।

विधानसभा में स्नेहा दुबे पंडित ने उठाई दहेज प्रथा के खिलाफ आवाज, मजबूत सिस्टम बनाने का सुझाव

वसई रोड। वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने आज विधानभवन में दहेज प्रथा को समाप्त करने के लिए केवल कानून ही नहीं, बल्कि एक मजबूत और प्रभावी सिस्टम बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राज्य में दहेज विरोधी कानून लागू होने के बावजूद दहेज देने-लेने की प्रथा अब भी जारी है, जो एक गंभीर सामाजिक समस्या बनी हुई है। विधानसभा में इस विषय पर चर्चा के दौरान स्नेहा दुबे पंडित ने एक महत्वपूर्ण सुझाव देते हुए कहा कि केवल शिकायत मिलने के बाद कार्रवाई करने के बजाय एक प्रोएक्टिव सिस्टम विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रस्ताव रखा कि शादी तय होने के कुछ महीने पहले ही लेन-देन से जुड़ी जानकारी का रिकॉर्ड रजिस्टर किया जाए और उसे पारदर्शी बनाया जाए, ताकि दहेज लेन-देन पर प्रभावी नियंत्रण लगाया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा कानून में ह्लअपनी मजी से दिए जाने वाले तोहफोंह्व के नाम पर जो कमियां हैं, उन्हें दूर करना जरूरी है। इन खामियों के कारण कई बार दहेज को तोहफों के रूप में दिखाकर कानून से बचने की कोशिश की जाती है। स्नेहा दुबे पंडित ने स्पष्ट किया कि दहेज एक अपराध है, लेकिन सामाजिक स्तर पर यह अभी भी मौजूद है। इसलिए इसे समाप्त करने के लिए समाज और प्रशासन दोनों को मिलकर काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि शादी से पहले लेन-देन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने वाला और कानून की कमियों को दूर करने वाला एक मजबूत सिस्टम बनाकर इस सामाजिक बुराई को धीरे-धीरे खत्म किया जा सकता है।

जल जीवन मिशन की प्रगति की जिलाधिकारी ने की समीक्षा

जौनपुर (उत्तरशक्ति) । जल जीवन मिशन के तहत जनपद में चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा को लेकर सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने की। बैठक में ग्राम पंचायतों में संचालित पेयजल परियोजनाओं की स्थिति, संचालन एवं रखरखाव सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने रेस्टोरेशन कार्यों तथा ओवरहेड टैंक (ओएचटी) निर्माण की प्रगति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि परियोजनाओं के संचालन और रखरखाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। साथ ही कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए लंबित परियोजनाओं को शीघ्र पूरा कराया जाए।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, परियोजना निदेशक के.के. पांडे, अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) सहित अन्य संबंधित अधिकारी और कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

लायंस क्लब जौनपुर रॉयल का होली मिलन समारोह संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लायंस क्लब इंटरनेशनल से संबद्ध लायंस क्लब जौनपुर रॉयल द्वारा रविवार शाम नगर के एक लॉन में संगीतमय रंगारंग होली मिलन समारोह का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में क्लब के पदाधिकारियों, सदस्यों और उनके परिवारों ने उत्साह के साथ भाग लिया।

क्लब अध्यक्ष संजीव साहू ने कहा कि होली का पर्व आपसी गिले-शिकवे भुलाकर एक-दूसरे को गले लगाने और प्रेम व भाईचारे को मजबूत करने का संदेश देता है। संस्थापक अध्यक्ष अजय गुप्ता ने कहा कि यह त्योहार समाज में आपसी सौहार्द और भाईचारे को प्रगाढ़ करने का अवसर प्रदान करता है। वहीं निवर्तमान अध्यक्ष मधुसूदन बैंकर ने कहा कि होली को केवल रंगों तक सीमित न रखकर इसके पीछे छिपे सामाजिक और सांस्कृतिक संदेश को भी जीवन में अपनाना चाहिए।

कार्यक्रम की शुरूआत अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं – डॉ. ज्योति दास, सारिका सोनी, अंजना सिंह, स्नेह लता चौरसिया और प्रियंका गुप्ता – को माल्यार्पण, अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित करने के साथ हुई। इस दौरान सभी मातृशक्तियों को महिला दिवस की शुभकामनाएं दी गईं।

इसके बाद क्लब अध्यक्ष संजीव साहू व फर्स्ट लेडी विभा गुप्ता ने सभी सदस्यों को होली टाइटल गीत पढ़कर और अबीर-गुलाल लगाकर होली की बधाई दी। कार्यक्रम में मनोज सोनी कोमल एंड कंपनी द्वारा प्रस्तुत जोगीरा गीतों ने समां बांध दिया। क्लब की महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने सामूहिक, एकल और कपल नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम को यादगार बना दिया।

कार्यक्रम संयोजक दीपशिखा चौरसिया, आशीष चौरसिया, अभिताष गुप्ता, एकता गुप्ता, यश बैंकर और ज्ञानेंद्र साहू ने गुलाब पुष्प वर्षा कर बृज की होली का आनंद कराया, जिससे उपस्थित लोग गीत-संगीत पर झूम उठे।

क्लब सचिव बालकृष्ण साहू और कोषाध्यक्ष राजकुमार कश्यप ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन अभिताष गुप्ता व एकता गुप्ता ने किया। अंत में सभी ने स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लेते हुए एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर क्लब के अनेक सदस्य व गणमान्य लोग सपरिवार उपस्थित रहे।

बेहतर उपज लेने वाले किसान पुरस्कार के लिए कराए पंजीकरण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भूतपूर्व प्रधानमंत्री व किसान नेता चौधरी चरण सिंह जी की जन्मतिथि 23 दिसंबर को हर वर्ष किसान सम्मान दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस मौके पर कृषि व इससे संबंधित क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को राज्य व जनपद स्तर पर सम्मानित किया जाता है। जनपद के किसान इस योजना में शामिल होने के लिए पंजीकरण कराए। किसानों की फसलों के क्राप कटिंग परिणाम के आधार पर प्रतियोगिता कराई जाती है। खरीफ और रबी फसलों में सर्वोच्च उत्पादकता प्राप्त करने वाले किसानों को जनपद स्तर पर प्रथम पुरस्कार सात हजार रुपए व द्वितीय पुरस्कार पांच हजार रुपए, प्रशस्ति पत्र व अंगवस्त्रम देकर मा0 जनप्रतिनिधि व जिलाधिकारी द्वारा पुरस्कृत किया जाता है।

जनपद में इस वर्ष 36 किसानों को पुरस्कृत किया जाएगा। उप परियोजना निदेशक आत्मा डा. रमेश चंद्र यादव ने बताया कि 23 दिसंबर को आत्मा योजना के अंतर्गत आयोजित होने वाले किसान सम्मान दिवस में प्रतियोगिता के लिए रबी फसलों के किसानों का रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुका है। उन्होंने जनपद के किसानों से प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए अपने उपज परिणाम निर्धारित प्रारूप पर तैयार कर कृषि भवन में जमा कर रजिस्ट्रेशन कराने की अपील की है। सर्वोच्च उत्पादकता प्राप्त करने वाले किसानों की सूची मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति से अनुमोदन होने के पश्चात प्रदेश स्तर पर भी प्रेषित की जाती है। उन्होंने बताया कि प्रदेश स्तर पर स्थान बनाने वाले कृषकों को राज्य स्तर पर मुख्यमंत्री द्वारा प्रथम पुरस्कार एक लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार 75 हजार रुपए एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले कृषकों को 50 हजार रुपए देकर सम्मानित किया जाता है। प्रदेश स्तर पर कुल 58 कृषकों को सम्मानित किया जाता है।

सैमसंग गैलेक्सी S26 के साथ एजेंटिक अकका नया दौर: जेबी पार्क

मुंबई। सैमसंग ने अपना नया फ्लैगशिप स्मार्टफोन गैलेक्सी S26 अल्ट्रा पेश किया है। इस स्मार्टफोन में दिया गया नया 'प्राइवेसी डिस्प्ले' फीचर पूरी टेक दुनिया में चर्चा का विषय बन गया है और इसे हर तरफ से काफी सराहना मिल रही है। सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के प्रेसिडेंट और सीईओ जेबी पार्क ने कहा कि यह उद्योग में अपनी तरह का पहला फीचर है, जो स्मार्टफोन इंडस्ट्री में प्राइवेसी के एक नए दौर की शुरूआत करता है। उन्होंने कहा, चूंकि अब हम एआई के दौर में हैं, इसलिए गैलेक्सी S26 सीरीज में प्राइवेसी को और भी बेहतर बनाया गया है। थर्ड-पार्टी फिल्टर के विपरीत, 'प्राइवेसी डिस्प्ले' सीधे स्क्रीन के अंदर ही शामिल है। इससे रोजमर्रा के इस्तेमाल में स्क्रीन देखने का अनुभव पहले जैसा ही शानदार रहता है, जबकि साइड एंगल से स्क्रीन पर क्या चल रहा है, यह दिखाई नहीं देता। यूजर प्राइवेसी को स्क्रीन के किसी खास हिस्से तक सीमित कर सकते हैं या यह भी तय कर सकते हैं कि यह फीचर कब सक्रिय हो। इससे आपकी प्राइवेसी की सुरक्षा बहुत ही सहज और आसान हो जाती है। गैलेक्सी S26 सीरीज डिवाइस के अंदर ही 'पर्सनल कॉन्टेक्स्ट प्रोसेसिंग' के जरिए प्राइवेसी को और मजबूत बनाती है, जिससे संवेदनशील डेटा कभी भी डिवाइस से बाहर नहीं जाता। S26 सीरीज में कई एआई एजेंट उपलब्ध हैं, लेकिन यूजर का इस बात पर पूरा नियंत्रण रहता है कि उनकी व्यक्तिगत जानकारी कब और कैसे साझा की जाए। इस तरह उनके डेटा पर पूरा अधिकार उन्हीं के पास रहता है। पार्क ने आगे कहा, यहाँ तक कि जब यूजर सैमसंग ऐप्स (जैसे सैमसंग नोट, कैलेंडर, गैलरी, रिमाइंडर और क्लॉक) के माध्यम से पार्टनर एआई एजेंट्स के साथ बातचीत करते हैं, तब भी वे यह नियंत्रित कर सकते हैं कि उनका डेटा पार्टनर मॉडल्स को ट्रेन करने के लिए साझा किया जाए या नहीं, या फिर विज्ञापनों के लिए उनकी प्रोफाइलिंग करने में इस्तेमाल हो या नहीं। इसके अलावा, इसमें दिए गए प्राइवेसी अलर्ट्स, 'इंटेलिजेंट मॉनिटरिंग' की मदद से यूजर्स को समय रहते सचेत कर देते हैं, जब भी कोई ऐप डिवाइस के एडमिन कंट्रोल या संवेदनशील डेटा–जैसे स्टीक लोकेशन, कॉल लॉग या कॉन्टैक्ट्स–तक पहुंचने की कोशिश करता है।

आठवले राज्यसभा में जाने से वंचित वर्गों को ताकत मिलेगी: भवानजी

मुंबई। वरिष्ठ भाजपा नेता और मुंबई के पूर्व उप महापौर बाबूभाई भवानजी ने केंद्रीय मंत्री और आरपीआई नेता रामदास आठवले को तीसरी बार राज्यसभा के लिए नामित किए जाने पर हर्ष प्रकट है तथा उन्हें बधाई दी है। आज एक बयान में भवानजी ने कहा कि आठवले जी एक कर्मठ नेता हैं और उनके मनोनयन से वंचित तबके को ताकत मिलेगी। उन्होंने कहा कि श्री आठवले सभी वर्गों में लोकप्रिय हैं और सभी वर्गों का काम व बड़ी तन्मयता से करते हैं। उन्होंने आठवले के मनोनयन के लिए पीएम मोदी और सीएम देवेंद्र फडणवीस के प्रति आभार प्रकट किया है।

बता दें कि राज्यसभा की 37 सीटों के लिए 16 मार्च को मतदान होना है। बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन और नीतीश कुमार भी चुनाव लड़ रहे हैं. राज्यसभा की 37 सीटों के लिए 16 मार्च को मतदान होना है और नाम वापस लेने की लास्ट डेट आज यानि सोमवार (9 मार्च) है. 10 में 7 राज्यों की 26 राज्यसभा सीटों पर निर्विरोध सदस्य चुना जाना तय है, लेकिन 3 राज्यों की 11 सीटों के लिए सियासी घमासान मचना तय माना जा रहा है. महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, बिहार, असम, ओडिशा, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा की राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव हो रहे हैं. हरियाणा, ओडिशा और बिहार में निर्धारित सीटों से ज्यादा उम्मीदवार किस्मत आजमा रहे हैं। अगर आज कोई उम्मीदवार अपना नाम वापस नहीं लेते हैं तो 16 मार्च को कड़ा चुनावी मुकाबला होगा।

हरियाणा, ओडिशा और बिहार के राज्यसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने पर्यवेक्षक नियुक्त कर दिए हैं. बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन ने बिहार के लिए 2 जबकि ओडिशा और हरियाणा के लिए एक-एक नेताओं की नियुक्ति की है. वहीं 7 राज्यों की 26 सीटों पर शाम 3 बजे तक राज्यसभा के निर्विरोध सदस्यों के नाम का ऐलान कर दिया जाएगा? बिहार की 5 राज्यसभा सीटों के लिए 6 उम्मीदवार किस्मत आजमा रहे हैं. बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन के अलावा शिवेश कुमार मैदान में हैं तो जेडीयू से रामनाथ ठाकुर और नीतीश कुमार भी किस्मत आजमा रहे हैं. एनडीए की तरफ से पांचवें उम्मीदवार उपेंद्र कुशवाहा हैं. आरजेडी ने अमरेंद्र धारी सिंह को राज्यसभा का प्रत्याशी बनाकर मुकाबले को रोचक बना दिया है. बिहार में राज्यसभा की 1 सीट जीतने के लिए 41 विधायकों की जरूरत है. एनडीए के पास कुल 202 विधायक हैं जबकि विपक्ष के पास 35 विधायक हैं. इसके अलावा 6 विधायक अन्य हैं. बीजेपी और जेडीयू के 2-2 उम्मीदवार आसानी से जीत जाएंगे, लेकिन उपेंद्र कुशवाहा को अपनी जीत के लिए आरजेडी से दो-दो हाथ करना होगा. महाराष्ट्र, बंगाल, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, असम, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना में राज्यसभा का चुनाव निर्विरोध होना तय है. इन राज्यों में जितनी राज्यसभा सीटें है,उतने ही उम्मीदवार मैदान में हैं. ऐसे में निर्धारित सीट से ज्यादा कैंडिडेट न होने से निर्विरोध चुना जाना.इन 7 राज्यों में 26 राज्यसभा सीटों पर चुनाव हो रहे हैं और सभी 26 सीटों पर निर्विरोध जीत मानी जा रही है, जिसका ऐलान सोमवार 3 बजे तक कर दिया जाएगा.

नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज में शिवजयंती और महिला दिवस

वसई। नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज में छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती और आंतरराष्ट्रीय महिला दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस प्रोग्राम का मकसद छत्रपति शिवाजी महाराज के विचारों और विरासत का सम्मान करना था, साथ ही हमारे समाज को बनाने में महिलाओं के अमूल्य योगदान को पहचान देना था। इस कार्यक्रम मे महाविद्यालय के विद्यार्थीयोंने कई तरह के डांस, ड्रामा, पोवाड़ा और गाने पेश किए। महिला टीचर्स ने फैशन शो के जरिए इतिहास की अलग-अलग महिलाओं के रूपों को दिखाया महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ. ओमप्रकाश दुबे और ट्रस्टी एवं स्त्रीरोग प्रसूती तंत्र विभाग की विभागप्रमुख डॉ. ऋजुता दुबे इन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज के सिद्धांतों और महिला एम्पावरमेंट के महत्व पर अपना वक्तव्य सादर दिया। कार्यक्रम मे महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. हेमलता शेंडे, सभी अध्यापक , अध्यापकेतर कर्मचारी सभी विद्यार्थी शामिल हुए थे। कार्यक्रम का संचालन सेकंड ईयर की आयुर्वेदाचार्य विद्यार्थिनी अक्षदा मालवे ने किया। सामाजिक मूल्यों और समुदाय की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए संस्था की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए, दूसरे वर्ष की आयुर्वेद छात्रा आयुषी सिंह ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा, जिसके बाद अल्पोपहार के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

बीएसवीएस बिलासा देवी केवट टीम बनी फूलन देवी महिला ट्रॉफी प्रतियोगिता की चैंपियन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। विश्व महिला दिवस के अवसर पर 8 मार्च 2026, रविवार को बिंद समाज विकास संघ द्वारा रामजी असर टर्फ, घाटकोपर ईस्ट, मुंबई में बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में बीएसवीएस बिलासा देवी केवट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि आयरन लेडी फूलन देवी टीम द्वितीय स्थान पर रही। बिलासा देवी केवट टीम की कप्तान श्रीमती उर्मिला देवी बिंद के नेतृत्व में टीम ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। टीम के खिलाड़ियों ने क्षेत्ररक्षण, बल्लेबाजी और गेंदबाजी में शानदार तालमेल दिखाते हुए अपने-अपने शत-प्रतिशत योगदान से प्रतियोगिता अपने नाम की। वहीं आयरन लेडी फूलन देवी टीम की कप्तान श्रीमती रीता बिंद ने भी अपनी टीम के साथ दमदार खेल का प्रदर्शन किया और टीम को द्वितीय स्थान तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दोनों टीमों की कप्तानों और महिला खिलाड़ियों ने बिंद समाज विकास संघ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह संगठन महिलाओं और पुरुषों को एक साथ जोड़कर समाज को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहा है। संगठन महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर महापुरुषों के नाम पर खेलकूद प्रतियोगिताएं और शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित करता रहता है। उन्होंने समाज के लोगों से अपील की कि सभी स्वजातीय बंधु और महिलाएं संगठन के साथ मिलकर समाज के विकास में सहयोग करें। प्रतियोगिता में उर्मिला बिंद, रीता बिंद, सविता केवट, शर्मिला बिंद, पूनम बिंद, दसवंती बिंद, रोनित बिंद, आदर्श बिंद, आदित्य बिंद, कलावती बिंद, गोविंदा बिंद, मनीषा बिंद, अर्पिता बिंद, अनीता बिंद, सुरभि बिंद, दिव्यांशु बिंद, प्रिंस बिंद और तारा निषाद सहित कई खिलाड़ी शामिल रहे। कार्यक्रम के अंत में बिंद समाज विकास संघ द्वारा सभी खिलाड़ियों को विजेता ट्रॉफी, मेडल और विभिन्न उपयोगी उपहार देकर सम्मानित किया गया।

रवि किशन ने मनोज तिवारी के बारे में क्या कहा? जानने के लिए देखिए नेटफ्लिक्स का द ग्रेट इंडियन कपिल शो

मुंबई। नेटफ्लिक्स के द ग्रेट इंडियन कपिल शो में हंसी-मजाक का सिलसिला जारी है। जब रवि किशन कपिल के शो पर आते हैं और भोजपुरी सिनेमा के शुरूआती दिनों की यादें साझा करते हैं, तो माहौल और मजेदार हो जाता है। जब कपिल मनोज तिवारी, निरहुआ और पवन सिंह वाले पिछले एपिसोड का जिक्र करते हैं, तो रवि किशन हंसते हुए और थोड़ी मजाकिया अंदाज में कहते हैं: इन्हें चलना मैंने सिखाया, ब्लैक कॉफी पीना मैंने सिखायाछ्छ ये सभी मेरे जूनियर्स हैं। इस बात पर सभी लोग हंस पड़ते हैं और शो का माहौल रवि किशन की पुरानी यादों और उनके ड्रामेटिक अंदाज से भरे मजेदार किस्सों का बन जाता है।

सबको पुरानी यादों में ले जाते हुए, रवि किशन ने कड़ाके की सर्दी में कन्यादान फिल्म की शूटिंग का एक मजेदार किस्सा सुनाया। उन्होंने बताया,कन्यादान की शूटिंग बनारस घाट पर कर रहे थे, ठंड का समय था। पहली बार तुमने इतना बड़ा कैमरा देखा। जैसे ही दर्शक कहानी में खो जाते हैं, रवि किशन एक और मजेदार बात कहते हैं: मैं वही आदमी हूँ जिसने तुम्हें मुंबई दिखाया। उनकी यह बात सुनते ही माहौल हंसी से भर जाता है। कपिल भी मजाक में उनका साथ देते हैं, जिससे बातचीत और भी मजेदार हो जाती है और दर्शक इस हल्के-फुल्के अंदाज का खूब आनंद लेते हैं। मजा तब और बढ़ जाता है जब सुनील ग्रोवर मनजोत सिंह 2.0 बनकर मंच पर आते हैं और अपने खास अंदाज में मजेदार और ड्रामेटिक बातें करते हैं। वहीं, कृष्णा अभिषेक और किकू शारदा हमेशा की तरह सिक्योरिटी जोड़ी मोना और सोना बनकर आते हैं, और अपने मजाकिया अंदाज से बातचीत में हंगामा मचा देते हैं।अलग-अलग किरदारों और मजेदार बातों से मंच तुरंत हंसी का पिटारा बन जाता है। रवि किशन की मजेदार पुरानी यादों, ओरी का अलग अंदाज और मलाइका के ग्लैमरस स्टाइल के साथ, शो पुरानी यादों, मस्ती और लगातार हंसी का धमाका बन जाता है।

ICANN85 कम्युनिटी फोरम मुंबई ग्लोबल इंटरनेट कोलेबोरेशन को मजबूत करेगा

-जगदीश पुरोहित

भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव, आईएएस, एस. कृष्णन सभा को संबोधित करते हुए।

मुंबई। इंटरनेट कॉर्पोरेशन फॉर असाइन्ड नेम्स एंड नंबर्स (ICANN) द्वारा नेशनल इंटरनेट एक्सचेंज ऑफ इंडिया (NIXI) के सपोर्ट से MeitY के तहत आयोजित ICANN85 कम्युनिटी फोरम, 7-12 मार्च 2026 तक मुंबई के जियो कन्वेंशन सेंटर में हो रहा है। यह इवेंट दुनिया भर की सरकारों, इंडस्ट्री लीडर्स, टेक्निकल एक्सपर्ट्स और सिविल सोसाइटी को एक साथ लाता है ताकि एक ओपन, सिक्योर, इनक्लूसिव और रेसिलिएंट इंटरनेट बनाए रखने के तरीकों पर चर्चा की जा सके। वेलकम सेरेमनी में टी३ सेक्रेटरी एस. कृष्णन, महाराष्ट्र के चीफ सेक्रेटरी राजेश अग्रवाल, NIXI के CEO डॉ. देवेश त्यागी, ICANN बोर्ड चेयर तृप्ति सिन्हा और ICANN प्रेसिडेंट कर्टिस लिंडक्विस्ट जैसे खास लीडर्स शामिल हुए। स्पीकर्स ने इकोनॉमिक ग्रोथ, गवर्नेंस और इनोवेशन के लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर के तौर पर इंटरनेट की अहमियत पर जोर दिया, और इंटरनेट गवर्नेंस के लिए ग्लोबल कोऑपरेशन और मल्टीस्टेकहोल्डर अप्रोच की जरूरत पर जोर दिया। इस फोरम में 200 से ज्यादा सेशन शामिल हैं, जिनमें डोमेन नेम सिस्टम (DNS) डेवलपमेंट, साइबर सिक्योरिटी और जेनेरिक टॉप-लेवल डोमेन (gTLDs) के भविष्य के विस्तार जैसे मुद्दों पर बात की गई, जिसका मकसद ग्लोबल इंटरनेट इकोसिस्टम की स्टेबिलिटी और सिक्योरिटी को मजबूत करना है।

प्रताप सरनाईक फाउंडेशन द्वारा चैत्र नवरात्रि उत्सव का आयोजन

-तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर शहर की सांस्कृतिक भव्यता और भक्ति की विरासत को संरक्षित करने के लिए, हर साल की तरह इस वर्ष भी प्रताप सरनाईक फाउंडेशन बेवर्ली पार्क के प्रसिद्ध गोखले मैदान में भव्य चैत्र नवरात्रि उत्सव का आयोजन कर रहा है। इस उत्सव के मंडप का उद्घाटन आज बड़े उत्साह के साथ हुआ। युवा सेना के कार्यकारी अध्यक्ष पुरवेश प्रताप सरनाईक ने नारियल फोड़कर देवी के चरणों और स्थान की पूजा किया गया। इस वर्ष का विशेष आकर्षणः दक्षिणी मंदिरों का शानदार दृश्य इस वर्ष का उत्सव 19 मार्च से 28 मार्च, 2026 तक आयोजित किया जाएगा। प्रताप सरनाईक फाउंडेशन, जो हर साल नई अवधारणाओं को लागू करता है, इस वर्ष दक्षिणी शैली में एक भव्य मंदिर का निर्माण करने का निर्णय लिया है। दक्षिणी वास्तुकला शैली का यह उदाहरण श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र होगा और इससे मीरा भायंदर नगर की प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।भक्ति और शक्ति का जागरण हिंदू संस्कृति के अनुसार, ऐसा माना जाता है कि चैत्र माह के प्रथम दिन देवी का जन्म हुआ और ब्रह्मांड की रचना हुई। पिछले चार वर्षों से इस शुभ दिन पर यह त्योहार बड़े धूमधाम से मनाया जाता रहा है। यह पांचवा वर्ष भी पूरे उत्साह के साथ मनाया जाएगा। मीरा-भायंदर कर से तत्काल अपील है कि सभी भक्तों को अपने परिवार सहित भक्ति के इस महान उत्सव में भाग लेना चाहिए और विश्व को जागृत करना चाहिए। पुरवेश सरनाईक और प्रताप सरनाईक फाउंडेशन ने सभी मीरा भायंदर करों से हमारे घर के कार्यक्रम' की भावना के साथ इस उत्सव में शामिल होने की अपील की है। महोत्सव के बारे में जानकारी देते हुए पुरवेश सरनाईक ने कहा, कि विकास की गंगा के साथ-साथ भक्ति का जागरण भी समय की आवश्यकता है। हमारा उद्देश्य पूरे समुदाय को एकजुट करना और शहर में उपासना का वातावरण बनाना है। यह केवल हमारा कार्यक्रम नहीं बल्कि संपूर्ण मीरा भायंदर कर समुदाय का महोत्सव है। मीरा रोड स्थित बेवर्ली पार्क के प्रसिद्ध गोखले मैदान में 19 मार्च से 28 मार्च, 2026 तक नौ दिनों के लिए अखंड सहस्त्र नवचंडी यज्ञ, अखंड व्रत, पूजन, भजन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की जायेगी।

कॉम्पिटिटिव एग्जाम हब शहरों में नेटफ्लिक्स की सीरीज हैलो बच्चों को मिला जबरदस्त रिस्पॉन्स

मुंबई। नेटफ्लिक्स हैलो बच्चों सीरीज को भारत के उन शहरों तक लेकर गया, जिन्हें कॉम्पिटिटिव एग्जाम के बड़े केंद्र माना जाता है। इसके लिए रीजेंट सिनेमा, पटना, विक्ट्री थिएटर, पुणे और सिटी मॉल फन सिनेमा, कोटा में खास स्क्रीनिंग आयोजित की गई। स्क्रीनिंग के दौरान हर जगह ऐसा माहौल बन गया, जैसे छात्रों के सपनों, उनकी मेहनत और आगे बढ़ने की चाह का जश्न मनाया जा रहा हो। पुणे के विक्ट्री थिएटर में जबरदस्त प्रतिक्रिया देखने को मिली, जहां 490 छात्रों और स्टाफ के साथ हॉल पूरी तरह भरा हुआ था। यह पल इसलिए भी खास था, क्योंकि पुणे को कॉम्पिटिटिव परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों का बड़ा केंद्र माना जाता है। वहीं कोटा, जिसे देश की कोचिंग राजधानी कहा जाता है, और पटना जैसे बड़े छात्र केंद्रों में भी स्क्रीनिंग के दौरान बड़ी संख्या में छात्र, शिक्षक और परिवार पहुंचे। फिल्म देखते समय कई दर्शकों को इसमें अपने संघर्ष और अपने सपनों की झलक दिखाई दी।

स्क्रीनिंग के दौरान हर जगह का माहौल उत्साह से भरा हुआ था, लेकिन साथ ही भावुक भी था। कई जगहों पर दर्शकों ने खुद-ब-खुद तालियां बजाईं और कुछ लोग भावुक भी हो गए। पुणे के एक छात्र ने कहा, मैंने यहाँ इसके पहले दो एपिसोड देखे और यह बहुत प्रेरणादायक लगा। ऐसा लगा जैसे स्क्रीन पर मेरी ही छात्र जीवन की संघर्ष की कहानी दिखाई जा रही हो। इस सीरीज में दिखाया गया है कि कैसे छात्र शून्य से शुरूआत करते हैं और पढ़ाई के जरिए अपनी परिस्थितियों को बदलने की कोशिश करते हैं। छात्र की यह बात उस हिम्मत और संघर्ष की भावना को दशार्ती है, जिसे यह सीरीज दिखाती है। वहीं पटना के एक छात्र ने कहा, ह्लसीरीज के दो एपिसोड में जो दिखाया गया, मैं भी उसी दौर से गुजर रहा हूँ। यह एक बहुत प्रेरणादायक सीरीज है। मैं भी अब और मेहनत से पढ़ाई करना चाहता हूँ और इंडियन इंस्टीट्यूट्स ऑफ टेक्नोलॉजी में जाना चाहता हूँ। यह दिखाता है कि कहानी उनके जीवन से कितनी मिलती-जुलती है। वहीं कोटा से नीट की तैयारी कर रही एक छात्रा ने बताया, सीरीज के दो एपिसोड देखकर ऐसा लगा जैसे मेरी ही जिंदगी के कुछ पल दिखाए जा रहे हों। कॉम्पिटिटिव एग्जाम की तैयारी करने वाले छात्रों के रूप में हम इसमें बहुत सी बातों से जुड़ पाए। इसमें उतार-चढ़ाव को बहुत सच्चाई से दिखाया गया है, इसलिए यह सीरीज बहुत प्रेरणादायक है। इसने मुझे याद दिलाया कि मुश्किल समय में भी आगे बढ़ते रहना चाहिए।

श्री रामलीला उत्सव समिति द्वारा भव्य होली स्नेह सम्मेलन संपन्न

मुंबई। विक्रोली पार्कसाईट स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज मैदान में श्री रामलीला उत्सव समिति द्वारा विगत वर्षों की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी रविवार को 60वां होली स्नेह सम्मेलन बड़े हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में भोजपुरिया लोकगीतों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों तथा श्री राधा-कृष्ण की सुंदर झांकी के साथ रंग-बिरंगे फूलों की होली खेली गई। इस अवसर पर आमंत्रित गणमान्य अतिथियों का शाल, पुष्पगुच्छ एवं संकल्प पत्रिका भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश के महाराजगंज जनपद के सिसवां विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक एवं उत्तर प्रदेश पंचायती राज समिति विधान सभा के सभापति प्रेम सागर पटेल उपस्थित रहे। समिति अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल ने उन्हें शाल, माला, पुष्पगुच्छ एवं संकल्प पत्रिका भेंट कर भव्य स्वागत किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में बोरीवली के विधायक संजय उपाध्याय का भी शाल, पुष्पगुच्छ और संकल्प पत्रिका देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार बृजमोहन पांडेय, वरिष्ठ पत्रकार आदित्य दुबे, टीवी9 भारत के वरिष्ठ पत्रकार जयप्रकाश सिंह, शिवसेना उत्तर भारतीय प्रकोष्ठ महाराष्ट्र कार्याध्यक्ष जयप्रकाश सिंह, दुबे आयुर्वेदिक कॉलेज नालासोपारा के संचालक ओमप्रकाश दुबे, स्थानीय नगरसेवक सुनील सयाजी मोरे, नगरसेवक प्रतिनिधि इमरान शेख, समाजसेवी मंगला शुक्ला, श्रीप्रकाश पांडेय, भाजपा नेता संजय शर्मा,उद्योगपति संजय मिश्रा, अरुण मिश्रा, भाजपा नेता चंद्रकांत मालकर, संकल्प रामलीला समिति अध्यक्ष विजय पुराणिक, भाजपा नेता मनोज सिंह, समाजसेवी नागेंद्र तिवारी, संदीप पांडे, शिवसेना नेत्री सुषमा ठाकुर, सरिता पांडेय, भाजपा युवा मोर्चा मुंबई अध्यक्ष दीपक सिंह, समाजसेवी रितेश सिंह, ईशान्य मुंबई जिला कांग्रेस अध्यक्ष केतन शाह, अजय पटेल, वरिष्ठ पत्रकार अनिल शुक्ला, अविनाश पांडेय, धनंजय मिश्रा, पवई विकास समिति के नरेंद्र उपाध्याय, अच्छेलाल मिश्रा, हरीश पांडेय, भास्कर दुबे सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। और अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मातृशक्ति को भी सम्मानित किया गया तथा टी20 विश्वकप क्रिकेट मैच भारत की धमाकेदार जीत से आयोजन को और इजाफा हुआ।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में समिति अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल, दिवाकर मिश्रा, रामबिलास पाठक, दलजीत पांडेय, देवेंद्र प्रताप सिंह, प्रवक्ता राजेश सिंह, बाबुलनाथ तिवारी, राजकुमार तिवारी, विमलेश मिश्रा, भोला मिश्रा, अरविंद शुक्ला, दिनेश सिंह, प्रशांत शुक्ल,प्रमुख राहुल शुक्ला, सर्वदेव पांडेय, अवधेश तिवारी, राजन सिंह, सचिन शुक्ल,आशीष तिवारी, ब्रह्मदेव दुबे, प्रेम तिवारी,मोहन श्रीवास्तव, राजेश सिंह, एडवोकेट सुमित पाल, संदीप दुबे, नीरज शुक्ला, निलेश तिवारी, राजेश पांडेय, सुशील वर्मा, आदेश मिश्र सहित समिति के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं का विशेष योगदान रहा। अंत में सभी उपस्थित अतिथियों एवं सहयोगियों और पत्रकार बंधुओं के प्रति प्रभाकर शुक्ल एवं आदेश मिश्र ने हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार व्यक्त किया गया।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन से सिफारिश पाने वाला VLCC वेलनेस बना पहला ब्रांड

मुंबई/नई दिल्ली। VLCC भारत का पहला ऑर्गनाइज्ड वेलनेस ब्रांड बन गया है जिसे अपनी वेट मैनेजमेंट, स्लिमिंग और मेटाबोलिक वेलनेस सर्विसेज के लिए इंडियन मेडिकल एसोसिएशन से सिफारिश मिली है। IMA ने देश के तेजी से बढ़ते वेलनेस सेक्टर में मेडिकल गवर्नेंस के लिए एक नया बेंचमार्क स्थापित किया है। वेट मैनेजमेंट और वेलनेस प्रोग्राम की मंजूरी VLCC को ड्यू डिलिजेंस और IMA के प्रोसेस और टेक्निकल एक्सपर्टीज ऑडिट के बाद मिली। इसमें कंपनी के वेलनेस और वेट-मैनेजमेंट डिलीवरी प्रक्रिया और उसके परिणामों को परखा गया है। यह सिफारिश औपचारिक रूप से VLCC के डॉक्टर के प्रोटोकॉल, स्ट्रकचर्ड मेटाबोलिक असेसमेंट और विज्ञान पर आधारित प्रोग्राम डिजाइन को मान्यता देती है। इससे प्रिवेंटिव हेल्थकेयर और कंज्यूमर वेलनेस के बीच इसकी स्थिति और मजबूत होती है। 35 से ज्यादा सालों से VLCC ने अपना मॉडल क्लिनिकली सुपरवाइज्ड वेट मैनेजमेंट और सबूतों पर आधारित इंटरवेंशन पर बनाया है। IMA की सिफारिश उस विरासत को एक राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त मेडिकल फ्रेमवर्क के अंदर इंस्टीट्यूशनल बनाती है। VLCC के CEO और MD विकास गुप्ता ने कहा, जब से VLCC की स्थापना हुई है तब से कंपनी ने वजन नियंत्रण को मेडिकल और मेटाबॉलिक साइंस मानकर इलाज किया है। यह सिफारिश हमारे क्लिनिकल प्रोटोकॉल की मजबूती और सुरक्षा, साइंटिफिक सख्ती और मापे जा सकने वाले परिणामों के लिए हमारे लंबे समय से चले आ रहे समर्पण को दशार्ती है। भारत का वेलनेस सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है क्योंकि ज्यादा से ज्यादा लोग मोटापा, मेटाबोलिक हेल्थ और प्रिवेंटिव केयर जैसे मुद्दों के बारे में जागरूक हो रहे हैं। इस बदलते माहौल में मेडिकल सुपरविजन और स्पष्ट स्टैंडर्ड जरूरी फैक्टर बन रहे हैं जो क्वालिटी सर्विस को दूसरों से अलग बनाते हैं। से रिकमेंडेशन मिलने के बाद यह अपने वर्किंग मॉडल में एक राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त मेडिकल संस्था से मंजूरी हासिल करने वाला पहला वेलनेस प्रोवाइडर बन गया है। यह कदम पूरी इंडस्ट्री में स्ट्रक्चर्ड वेट मैनेजमेंट सर्विसेज के स्टैंडर्ड्स को बढ़ाने में मदद करता है। IMA के अधिकारी ने कहा कि वेलनेस सेवाओं में सही क्लिनिकल सुपरविजन ग्राहकों का भरोसा बनाने में मदद करता है और यह सुनिश्चित करता है कि वेट मैनेजमेंट प्रोग्राम सुरक्षित और सही मेडिकल नियमों का पालन करें, खासकर जब वे मेटाबोलिक और प्रिवेंटिव हेल्थ से ज्यादा जुड़े होते हैं तो नियमों का पालन करना बहुत जरूरी हो जाता है।

24999 रुपये में लॉन्च हुआ मोटोरोला ऐज 70 फ्यूजन

रांची। मोटोरोला ने स्मार्टफोन सेगमेंट में मोटोरोला ऐज 70 फ्यूजन लॉन्च किया है। इसकी घोषणा बिहार के गयाजी जैसे प्रमुख शहरों में की गई। यह दुनिया का पहला 50 एमपी सोनी लाइटिया 710 कैमरा मोटो एआई के साथ आता है, जो बेहतरीन लो-लाइट क्लैरिटी, बिना ब्लर के शॉट्स, 100 प्रतिशत ट्रू कलर्स और पैंटोन द्वारा वैलिडेटेड स्किन टोन्स, साथ ही सभी लेंस पर 4 के वीडियो रिकॉर्डिंग देता है। मोटोरोला इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर टी एम नरसिम्हन ने कहा कि यह अल्ट्रा-थिन डिजाइन में विशाल 7000 एमएएच सिलिकॉन-कार्बन बैटरी पैक करता है, जो 52 घंटे तक बैटरी लाइफ देती है। फास्ट चार्जिंग के साथ सिर्फ 10 मिनट में पूरे दिन की पावर मिल जाती है। मोटोरोला ऐज 70 फ्यूजन लिमिटेड पीरियड के लिए फ्लिपकार्ट पर एक्सक्लूसिव अर्ली बर्ड सेल में उपलब्ध होगा। इसका प्रभावी लॉन्च प्राइस सिर्फ 24999 रुपये से शुरू है। उन्होंने कहा कि मोटोरोला ऐज 70 फ्यूजन तीन खास पैंटोन क्यूरेटेड कलर्स में उपलब्ध है जिसमें पैंटोन ब्लू सर्फ, पैंटोन कंट्री एयर और पैंटोन सिल?हुट शामिल है। और पहली बार कैमरा हाउसिंग के चारों ओर एक्सेंट कलर डिटेलिंग के साथ, मोटोरोला ऐज 70 फ्यूजन एक बोल्ड लेकिन रिफाइंड डिजाइन स्टेटमेंट देता है, जिसमें स्टैंडआउट विजुअल अपील और ड्यूरैबिलिटी दोनों हैं।

सैमसंग गैलेक्सी बड्स4 प्रो प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध

मुंबई। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने घोषणा की है कि उसके गैलेक्सी बड्स4 प्रो और गैलेक्सी बड्स4 आज से प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध हैं। ये नए ईयरबड्स बेहतरीन हाई-फाई ऑडियो और रोजमर्रा के इस्तेमाल के अनुभव को फिर से परिभाषित करते हैं। गैलेक्सी बड्स4 सीरीज शानदार साउंड क्वालिटी और कम्प्यूटेशनल तरीके से तैयार की गई फिटिंग का एक बेजोड़ मेल है। पहली बार, बड्स4 प्रो में ज्यादा चौड़ा वूफर, बेहतर ऐक्टिव नॉइस कैंसिलेशन और बेहतर एडेप्टिव इक्वलाइजर दिया गया है, जिससे आवाज मूल रिकॉर्डिंग जैसी शुद्ध सुनाई देती है। इसमें अक का गहरा इस्तेमाल सैमसंग की उस प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है, जिसके तहत ईयरबड्स को इस तरह डिजाइन किया गया है कि लोग दिन भर कैसे सुनते हैं, कैसे चलते-फिरते हैं और कैसे रहते हैं। सैमसंग की गैलेक्सी बड्स4 सीरीज नए ब्लेड डिजाइनह्व के साथ पेश की गई है, जिसे लाखों कानों के डेटा पॉइंट्स और 10,000 से अधिक सिमुलेशन के आधार पर तैयार किया गया है। इसका अल्ट्रा-स्लीक और एर्गोनॉमिक फिट दिनभर बेहतर स्थिरता और आराम सुनिश्चित करता है। प्रीमियम मेटल फिनिश, उत्कीर्ण पिंच कंट्रोल एरिया और पारदर्शी क्लैमशेल-टाइप चार्जिंग केस इसे स्टाइलिश और उपयोग में आसान बनाते हैं। बड्स4 प्रो कैनाल-फिट डिजाइन के साथ अधिकतम साउंड परफॉर्मेंस देता है, जबकि बड्स4 का ओपन-फिट डिजाइन आरामदायक और यूजर-फ्रेंडली अनुभव प्रदान करता है। साउंड क्वालिटी के मामले में, बड्स4 प्रो 20Hz से 40kHz तक की वाइड फ्रीक्वेंसी रेंज, बड़े स्पीकर्स, चौड़े वूफर और 24-bit/96kHz Hi-Fi ऑडियो सपोर्ट के साथ गहरा बास और स्पष्ट ट्रेबल देता है। बेहतर माइक्रोफोन प्लेसमेंट और एन्हांस्ड ऐक्टिव नॉइस कैंसिलेशन रोजमर्रा के शोर को कम कर इमर्सिव ऑडियो अनुभव प्रदान करते हैं। एडैप्टिव ANC/EQ यूजर के कान और पहनने की स्थिति के अनुसार रियल-टाइम में साउंड को ऑप्टिमाइज करता है। कॉलिंग के लिए सुपर क्लियर कॉल फीचर सुपर वाइडबैंड टेक्नोलॉजी के जरिए दोगुनी बैंडविड्थ देता है, जिससे शोरगुल वाले माहौल में भी आवाज साफ रहती है। साथ ही, वॉइस कंट्रोल के माध्यम से बिक्सबी, गूगल जेमिनी और परप्लैक्सिटी जैसे अक एजेंट्स का उपयोग किया जा सकता है। बड्स4 प्रो में हेड जेस्चर कंट्रोल भी दिए गए हैं, जिससे कॉल और वॉइस असिस्टेंट मैनेजमेंट और आसान हो जाता है। गैलेक्सी बड्स4 सीरीज, जिसे गैलेक्सी S26 सीरीज के साथ लॉन्च किया है, आज से चुनिंदा बाजारों में प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध है, जबकि इसकी सामान्य बिक्री 11 मार्च से शुरू होगी। गैलेक्सी बड्स4 प्रो ब्लैक, व्हाइट और पिंक गोल्ड रंगों में उपलब्ध होगा, जिसकी कीमत 22,999 रुपये रखी गई है। वहीं, गैलेक्सी बड्स4 ब्लैक और व्हाइट रंग विकल्पों में आएगा और इसकी कीमत 16,999 रुपये निर्धारित की गई है।